

भाजपा ने कसी कम्बर, विस्तारकों को मैदान में उतारा

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने संगठन को जमीनी स्तर पर सक्रिय करने की कवायद तेज कर दी है। चुनावी तैयारियों के तहत भाजपा ने अब बूथ स्तर पर अपनी पकड़ और मजबूत करने की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। इसी क्रम में शुक्रवार को जयपुर हाउस स्थित भाजपा कार्यालय से विधानसभा स्तर पर विस्तारकों को रवाना किया गया। ये विस्तारक संबंधित विधानसभा क्षेत्रों में पूर्णकालिक कार्यकर्ता के रूप में रहकर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का काम करेंगे।

भाजपा की इस पहल को चुनाव से पहले संगठनात्मक तैयारियों के अहम चरण के रूप में देखा जा रहा है। पार्टी का फोकस केवल चुनावी माहौल बनाने पर नहीं, बल्कि प्रत्येक बूथ पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने, मतदाताओं से सीधा संपर्क मजबूत करने और सरकार की योजनाओं व उपलब्धियों को घर-घर तक

मैं बैरी, सुग्रीव पिआरा, अवगुन कवन नाथ मोहिं मारा

पिनाहट । पिनाहट कस्बा में चल रही रामलीला में गुरुवार शाम श्रीराम-सुग्रीव की मित्रता और बाली वध की मार्मिक लीला का मंचन हुआ।

लीला के अनुसार मर्यादां पुरुषोत्तम श्रीराम सीता की खोज करते हुए ऋथ्यमूक पर्वत के निकट पहुंचते हैं, जहां उनकी भेंट हनुमान जी से होती है। हनुमान जी उन्हें सुग्रीव के पास ले जाते हैं और श्रीराम व सुग्रीव में गहरी मित्रता होती है। सुग्रीव अपना दुखड़ा सुनाते हैं कि बड़े भाई बाली ने उनकी पत्नी और राज्य छीन लिया है।

इस पर श्रीराम सुग्रीव को बाली से युद्ध के लिए भेजते हैं और स्वयं एक ही बाण से बाली का वध कर देते हैं। इस मार्मिक प्रसंग को देख दर्शक भाव-विभो हो गए। भाजपा नेता समाजसेवी श्यामसुंदर सिक्करवार ने रामलीला ग्राउंड में पहुंचकर मर्यादां पुरुषोत्तम श्री राम जी आरती उतारी और सभी पात्रों



का सम्मान किया। रामलीला कमेटी को ग्यारह हजार रुपए धनराशि का सहयोग प्रदान किया। रामलीला देखने के लिए दूर-दराज के गांवों से हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन मुस्तैद है।

इस दौरान नवीन पाराशर, ब्रह्मानंद पाठक, मनोज तिवारी, रामनिवास शर्मा, श्याम सुंदर शर्मा, रमेश चंद्र पुजारी, हर्ष कुमार कटारे, भगवान सिंह परिहार, महावीर ओझा, मोहित शर्मा, ऋषि दुबे आदि लोग मौजूद रहे।



पहुंच बनाने तथा उन्हें संगठन से जोड़ने की जिम्मेदारी भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। राजनीतिक तौर पर देखें तो युवा मतदाता किसी भी चुनाव में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। ऐसे में भाजपा की नजर इस बड़े वोट बैंक पर रहना स्वाभाविक है।

ब्रज क्षेत्र संगठक अजय कुमार गिरी ने कहा कि समाज हित में सरकार की ओर से किए गए कार्यों की जानकारी बूथ स्तर तक पहुंचाई जाएगी। इसका मकसद जनता के बीच सरकार के कामकाज को लेकर भरोसा मजबूत करना और उस भरोसे को दोबारा समर्थन में बदलना है। यही बिंदु भाजपा की चुनावी रणनीति का राजनीतिक रूप

विवि में डिजिटल मार्केटिंग के बदलते आयाम और रोजगार के अवसर विषय पर सेमिनार आयोजित

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के सेठ पदम चंद जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में चल रहे डिजिटल मार्केटिंग वैल्यू एडेड कोर्स के अंतर्गत 16 अक्टूबर 2026 एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। यह सेमिनार 'डिजिटल मार्केटिंग के बदलते आयाम और रोजगार के अवसर' विषय पर केंद्रित रहा।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को डिजिटल मार्केटिंग की बुनियादी अवधारणाओं, आधुनिक तकनीकों और व्यावहारिक डिजिटल टूल्स से परिचित कराना था।

सेमिनार में डिजिटल मार्केटिंग के विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर प्रस्तुति दी गई। इसमें सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (रएड), सोशल मीडिया मार्केटिंग, कंटेंट मार्केटिंग



तथा डिजिटल मार्केटिंग के अन्य प्रमुख पहलुओं को शामिल किया गया। सेमिनार के माध्यम से प्रतिभागियों को डिजिटल मार्केटिंग की कार्यप्रणाली और वर्तमान समय में इसके महत्व को समझाया गया।

सेमिनार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) टूल्स की सहायता से इमेज और वीडियो जनरेट करने की प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया।

इसके साथ ही, प्रॉम्ट जनरेशन के बारे में जानकारी दी गई, जिसमें अक टूल्स से बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए स्पष्ट और प्रभावी

का प्रचार, इन सभी मोचों पर विस्तारकों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। आगरा और ब्रज क्षेत्र में भाजपा का मजबूत संगठन लंबे समय से उसकी चुनावी रणनीति का प्रमुख आधार रहा है। ऐसे में विस्तारकों की तैनाती से पार्टी बूथवार स्थिति का फीडबैक भी हासिल कर सकती है। इससे यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि किन क्षेत्रों में संगठन मजबूत है और कहां अतिरिक्त मेहनत की जरूरत है।

भाजपा नेतृत्व ने इस दौरान संगठन के पुराने और नए कार्यकर्ताओं को पार्टी की ताकत बताया। इसका राजनीतिक संकेत भी स्पष्ट है कि चुनाव से पहले संगठन के भीतर किसी भी स्तर पर निष्क्रियता न रहे और सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर मैदान में उतरे। विधानसभा चुनाव में टिकट, स्थानीय समीकरण और उम्मीदवारों को लेकर राजनीतिक सरगमी बढ़ने से पहले संगठन को सक्रिय करना पार्टी के लिए रणनीतिक रूप से अहम कदम माना जा सकता है। बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता ही चुनाव के दिन मतदाताओं को

मतदान केंद्र तक लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

विस्तारकों को रवाना करने के मौके पर ब्रज क्षेत्र अध्यक्ष पूरन लाल लोधी, ब्रज क्षेत्र संगठक अजय कुमार गिरी, ब्रज क्षेत्र प्रभारी गीता शाक्य, क्षेत्रीय महामंत्री अशोक पिप्लर, क्षेत्रीय महामंत्री संजीव शर्मा, यादवेन्द्र प्रताप, बीना लवानिया, मनीष गौतम, अवधेश रावत, महेश राठौर, दीपक सोनकर, श्रीकांत पाराशर और मुकुल फौजदार समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे। कुल मिलाकर भाजपा ने आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में संगठन को बूथ तक सक्रिय करने की दिशा में कदम बढ़ा दिया है।

विस्तारकों की तैनाती से पार्टी एक ओर कार्यकर्ताओं को चुनावी मोड़ में लाने की कोशिश कर रही है, वहीं दूसरी ओर युवा मतदाताओं और सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों तक सीधा संपर्क बनाने की रणनीति पर आगे बढ़ रही है। आने वाले दिनों में यह अभियान कितना व्यापक रूप लेता है, यही भाजपा की जमीनी चुनावी तैयारी की दिशा और ताकत का संकेत देगा।



मिशन शक्ति टीम ने सुलझाए 10 दंपतियों के विवाद, महिलाओं को किया सम्मानित

फतेहाबाद। मिशन शक्ति अभियान के तहत शुक्रवार को थाना डौकी की मिशन शक्ति टीम ने पति-पत्नी के बीच चल रहे आपसी विवादों में समझौता कराया। टीम की काउंसिलिंग के बाद दंपतियों ने आपसी मतभेद भुलाकर साथ रहने पर सहमति जताई। इसके बाद महिलाओं को सम्मानित किया गया। मिशन शक्ति टीम प्रभारी दीपिका भाटी ने बताया कि थाना क्षेत्र के अलग-अलग गांवों की करीब 10 महिलाओं का अपने पतियों से घरेलू विवाद चल रहा था। इसके चलते परिवारों में आए दिन झगड़े होते थे और कई परिवार टूटने की कगार पर पहुंच गए थे। शुक्रवार को मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं और उनके पतियों को थाने बुलाया। दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद उन्हें समझाया गया और आपसी मतभेद दूर कर परिवार के साथ मिल-जुलकर रहने के लिए प्रेरित किया गया। काउंसिलिंग के बाद दंपतियों ने विवाद समाप्त कर साथ रहने पर सहमति जताई। इसके बाद महिलाओं को सम्मानित कर परिवार के साथ विवाद किया गया। इस दौरान महिला उपनिरीक्षक दीक्षा यादव, महिला सिपाही नूरी ठाकुर, आशु, थानाध्यक्ष सुनीत शर्मा, बरिष्ठ उपनिरीक्षक देवेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

आरोपियों की गिरफ्तारी न होने पर भड़के अधिवक्ता, अनिश्चितकालीन हड़ताल



फतेहाबाद। साथी अधिवक्ता के साथ हुई मारपीट के मामले में मुकदमा लिखने के बावजूद गिरफ्तार न होने पर शुक्रवार को अधिवक्ताओं ने तहसील में विरोध प्रदर्शन किया और अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी। शुक्रवार को बार एसोसिएशन फतेहाबाद के अध्यक्ष पंकज कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में शुक्रवार को एक आवश्यक मीटिंग तहसील फतेहाबाद में की गई। जहां अधिवक्ता अनिल शर्मा के साथ रास्ते में तहसील आते समय जान से मारने की नीयत से मारपीट की गई थी। उक्त घटना के संबंध में थाना शमशाबाद में मुकदमा दर्ज कराया गया था। लेकिन थाना शमशाबाद पुलिस द्वारा अभी तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया है। जिससे सभी अधिवक्ता समाज में भारी रोष व्याप्त है। इसलिए बार एसोसिएशन फतेहाबाद में सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि आरोपियों की गिरफ्तारी तक अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रहेगी। इसलिए सभी अधिवक्ताओं ने सामूहिक रूप निर्णय लिया और अग्रिम कार्रवाई तक विरत रहेंगे। वहीं अधिवक्ताओं ने तहसील में विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान विष्णु गुर्जर, दिनेश पाठक, दिनेश शर्मा,महेश पाठक, उमाशंकर शर्मा,सुभाष शर्मा,अनिल गुर्जर,सुशील शर्मा, देवेंद्र सिंह कुशवाहा आदि मौजूद थे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत छात्राओं ने सीएचसी का किया भ्रमण, जानी स्वास्थ्य सेवाएं

फतेहाबाद। मिशन शक्ति अभियान के तहत शुक्रवार को बादशाही बाग स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की छात्राओं ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहाबाद का भ्रमण किया। इस दौरान छात्राओं ने अस्पताल में मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के दौरान छात्राओं ने जाना कि ओपीडी का पर्चा कहां बनता है और कौन से चिकित्सक किस कक्ष में बैठते हैं। स्वास्थ्य केंद्र की कार्यप्रणाली और मरीजों को उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं के बारे में भी जानकारी ली। सीएचसी अधीक्षक डॉ. अभिषेक चौहान ने छात्राओं को जीवन में आगे बढ़ने, अपने लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास करने के प्रति जागरूक किया। उन्होंने छात्राओं को शिक्षा के महत्व के बारे में बताते हुए अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया। सीएचसी अधीक्षक डॉ. अभिषेक चौहान ने बताया कि इस तरह के भ्रमण से छात्राओं को स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी मिलती है। साथ ही उन्हें जीवन में अपने लक्ष्य निर्धारित करने, आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और अपने सपनों को साकार करने की प्रेरणा मिलती है।

पिनाहट में व्यापारियों ने पैटून पुल की मांग को लेकर बाजार किया बंद, धरने पर बैठे व्यापारी

व्यापार मंडल और मानवाधिकार सहायता संघ के बैनर तले हुआ धरना

- उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश दोनों राज्यों के चंबल नदी किनारे गांव के 250 गांव प्रभावित
- पुल चालू न होने पर 150 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाने को मजबूर हुए गाामीण

○ टीएनएफ टुडे, पिनाहट।

लोक निर्माण विभाग आगरा द्वारा पिनाहट उसेथ घाट चंबल नदी पर प्रति वर्ष 15 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश व मध्य प्रेंदेश दोनों राज्यों के यात्रियों के आवागमन के लिए पैटून पुल का संचालन किया जाता है।पुल से होकर उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश दोनों राज्यों के यात्री पेंटिंगचंबल नदी पार करते हैं।पुल चालू होने पर कस्बा बाजार में कृषि,व्यापार के साथ-साथ शिक्षा और स्वास्थ्य आदि को बढ़ावा मिलता है। लेकिन पिछले तीन माह से पिनाहट घाट चंबल नदी पर स्टीमर संचालन बंद चल रहा है।चंबल नदी पर पैटून पुल संचालन की 15 अक्टूबर की तारीख भी निकल गयी।लेकिन पुल समय अवधि पर चालू नहीं हुआ।जिससे व्यापारियों में आक्रोश छा गया।शुक्रवार को आक्रोशित व्यापारियों ने पिनाहट कस्बा बाजार में व्यापार मंडल व मानवाधिकार संगठन के बैनर तले बाजार बंद कर धरना दिया।और थाना प्रभारी पिनाहट को जिलाधिकारी आगरा व एसडीएम बाह के नाम एक सप्ताह



के अंदर पुल संचालन की मांग का अल्टीमेटम देते हुए ज्ञापन सोपा है। 21 अक्टूबर तक पुल चालू न होने पर जिले पर घेराव व धरना प्रदर्शन की चेतावनी दी है।

जानकारी के अनुसार लोक निर्माण विभाग आगरा के द्वारा प्रतिवर्ष पिनाहट घाट चंबल नदी पर 15 अक्टूबर से लेकर 15 जून तक पैटून पुल का संचालन किया जाता है। शेष बरसात के चार माह तक कस्बीमर का संचालन किया जाता है।स्टीमर के द्वारा उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश दोनों राज्यों के यात्रियों को चंबल नदी पार कराई। लेकिन 16 अगस्त को कैजरा घाट का यात्रियों से भरा स्टीमर चंबल नदी में बह जाने की चलते मध्य प्रदेश प्रशासन ने ठेकेदार व स्टीमर संचालन करने वाले के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था।और पिनाहट व कैजरा घाट पर स्टीमर का संचालन पूर्ण रूप से बंद कर दिया।पिछले तीन माह से पिनाहट

की।और पूरी घटना से अवगत कराया। वही व्यापार मंडल अध्यक्ष मोनू वर्मा व मानवाधिकार सहायता संगठन के जिला अध्यक्ष धर्मेन्द्र शर्मा ने सात दिन के अंदर पैटून पुल संचालन की मांग को लेकर थाना प्रभारी पिनाहट वीरेश पाल गिरी को जिलाधिकारी आगरा मनीष बंसल व उप जिलाधिकारी बाह विनोद कुमार के नाम ज्ञापन सोपा। सात दिन में स्टीमर संचालन न होने पर सभी व्यापारी अपने प्रतिष्ठान बंद कर जिला घेराव व जिले पर प्रदर्शन की चेतावनी दी हैं । इस मौके पर व्यापारियों में विजय कोठारी,विष्णु चक्क, प्रमोद सोनी, चंद्र प्रकाश वर्मा,आदि मौजूद रहे। वही इस मामले में उपाधिकारी बाह विनोद कुमार का कहना है व्यापारियों से सात दिन का समय मांगा है। लोक निर्माण विभाग के एक्सीईन से बात हो गई है। शनिवार को बैल्टिंग का काम शुरू हो जाएगा।और सात दिन के अंदर पुल का संचालन शुरू कर दिया जाएगा।

पुल संचालन होने से चंबल नदी के किनारे के 250 गांव प्रभावित

पिनाहट घाट चंबल नदी पर पुल का संचालन न होने से उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश दोनों राज्यों के चंबल नदी के किनारे के करीब 250 गांव प्रभावित है।250 गांव के ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों को

आवागमन में भी काफी दिक्कों का सामना करना पड़ रहा है।

150 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाने को हुए मजबूर

उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश दोनों राज्यों के यात्रियों को पिनाहट घाट चंबल नदी पर पुल का संचालन होने के चलते 150 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाकर एक दूसरे के राज्यों में आवागमन करना पड़ रहा है। इसके चलते हैं यात्रियों को आर्थिक,शारीरिक और मानसिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

पक्के पुल को चालू होने में लगगेा तीन माह का समय

156 करोड़ रुपए की लागत से पिनाहट घाट चंबल नदी पर बन रहे पक्के पुल पर अभी अप्रोच मार्ग का काम चल रहा है।पक्के पुल के निर्माण में अभी 3 माह का समय और लगेगा। 3 माह के बाद अप्रोच मार्ग का काम पूरा हो जाएगा।

21 अक्टूबर तक नहीं चालू हुआ पुल चालू तो जिला घेराव की दी चेतावनी

मानवाधिकार सहायता संगठन के जिला अध्यक्ष धर्मेन्द्र शर्मा व व्यापार मंडल अध्यक्ष मोनू वर्मा ने 7 दिन के अंदर 21 अक्टूबर तक पुल का संचालन न होने पर अपने-अपने व्यापार बंद कर जिले पर घेराव की चेतावनी दी है।

गढ़वाल भ्रातृ सम्मेलन की रामलीला में राम मिलाप तक की लीला का मंचन

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

गढ़वाल भ्रातृ सम्मेलन द्वारा आयोजित रामलीला के चतुर्थ दिवस सीता स्वयंवर से लेकर राम मिलाप तक की लीला का भावपूर्ण मंचन किया गया। रामलीला के मंचन के दौरान भगवान श्रीराम के वनगमन, भरत जी के त्याग, भाई के प्रति प्रेम और समर्पण जैसे



प्रसंगों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। मीडिया प्रभारी चंद्रमोहन रावत ने बताया कि रामलीला के आगामी दिवस में शृंगारखा संवाद से लेकर राम मिलाप तक की लीलाओं का मंचन किया जाएगा।

उन्होंने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर रामलीला का आनंद लेने की

अपील की।

इस अवसर पर दयाल सिंह पंवार, मोहन सिंह नेगी, भगत सिंह भंडारी, अशोक रावत, अनिल रावत, उर्मिला रावत, ज्योति रावत, पूजा पंवार, नरपाल सिंह रावत, सतीश पंवार, ईश्वर सिंह रावत एवं राजे सिंह बिष्ट सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मतदाताओं की सुविधा के लिए नए मतदान केंद्रों का होगा चयन

1200 से अधिक मतदाताओं वाले केंद्रों की होगी समीक्षा

टीएनएफ टुडे, आगरा।

जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में अर्हता तिथि 01.01.2027 के आधार पर फोटो युक्त मतदाता सूचियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-कार्यक्रम (एसएसआर) तथा मतदेय स्थलों का सम्भाजन के सम्बन्ध में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में मतदाता सूची को अद्यतन बनाने, पात्र नागरिकों के नाम जोड़ने, महिला एवं युवा मतदाताओं का पंजीकरण बढ़ाने, वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांग मतदाताओं की जांच करने तथा मतदाताओं की सुविधा के लिए नए मतदान केंद्र बनाने की तैयारियों की समीक्षा की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि सभी संबंधित अधिकारी भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार निर्धारित समय में कार्य पूरा करें। मतदाता सूची में सभी पात्र नागरिकों के नाम शामिल कराने, गलत प्रविष्टियों को ठीक करने तथा

मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (नगर)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी यमुनाधर चैहान ने बताया कि 01 जनवरी 2027 की अर्हता तिथि के आधार पर विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-कार्यक्रम के अंतर्गत 12 नवंबर 2026 को एकीकृत प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। इसके बाद 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक नाम जोड़ने, नाम हटाने एवं विवरण में सुधार से संबंधित दावे और आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। इनका निस्तारण 28 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा तथा 04 जनवरी 2027 को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6, नाम हटवाने के लिए फॉर्म-7 तथा नाम या अन्य विवरण में सुधार कराने के लिए फॉर्म-8 के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है। संबंधित अधिकारी प्राप्त आवेदनों की जांच कर समय से उनका निस्तारण



सुनिश्चित करें।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2027 में युवा मतदाताओं के पंजीकरण के लिए 01 जनवरी, 01 अप्रैल, 01 जुलाई एवं 01 अक्टूबर को चार अर्हता तिथियां निर्धारित हैं। इन तिथियों पर 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले पात्र युवा मतदाता बनने के लिए आवेदन कर सकते हैं। आगामी विधानसभा निर्वाचन को ध्यान में रखते हुए 01 जनवरी 2027 तक 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं। अन्य निर्धारित तिथियों पर 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवा भी पहले

से आवेदन कर सकते हैं। उनके आवेदनों पर संबंधित अर्हता तिथि के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में जिलाधिकारी महोदय ने महिला एवं युवा मतदाताओं का अनुपात बढ़ाये जाने के लिए राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि आगामी अभियान में पात्र युवाओं एवं महिलाओं की पहचान कर उनका पंजीकरण कराया जाए। इसके लिए बूथ स्तर पर विशेष प्रयास करते हुए पात्र महिलाओं एवं युवाओं को आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी जाए।

उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगों के विवरण में किसी

महिलाओं और युवतियों पर अश्लील टिप्पणी करने के आरोप में दो के खिलाफ प्राथमिकी

पिनाहट। थाना पिनाहट क्षेत्र के भदौरीली चौगहे पर महिलाओं और युवतियों पर अश्लील टिप्पणी करने और अश्लील हरकतें करने के आरोप में पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की है।

पुलिस के अनुसार, वृत्पतिवार को मिशन शक्ति प्रभारी उपनिरीक्षक अपेक्षा रानी और एंटी रोमियो प्रभारी उपनिरीक्षक जयप्रकाश पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि भदौरीली चौगहे पर ऑटो लेकर खड़े दो युवक आने-जाने वाली महिलाओं और युवतियों पर छींटकशी कर रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो दोनों युवक ऑटो में बैठकर भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया।

पूछताछ में एक आरोपी ने अपना नाम मोहर सिंह निवासी उदयपुर खालसा, थाना बसौनी और दूसरे ने प्रदीप निवासी भदौरीली, थाना पिनाहट बताया। पुलिस के मुताबिक, दोनों को हिरासत में लेकर धारा 296 बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई।

प्रकार की गलती मिलने पर नियमानुसार सुधार कराया जाए। ताकि उन्हें निर्वाचन आयोग के नियमों के अनुसार आवश्यक सुविधाएं मिल सकें।

बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि 17 अक्टूबर 2026 को जन्मद के सभी मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) उपस्थित रहेंगे। वे मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, नाम हटवाने एवं विवरण में सुधार कराने के लिए आवेदन प्राप्त करेंगे तथा पात्र नागरिकों को आवेदन करने की प्रक्रिया की जानकारी देंगे। उन्होंने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपने बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त कर उनकी अद्यतन सूची जिला निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध कराने को कहा, ताकि बीएलओ एवं बीएलए के बीच समन्वय से मतदाता सूची की जांच और सुधार का कार्य सुचारु रूप से किया जा सके।

बैठक में नए मतदान केंद्र बनाने के संबंध में जिलाधिकारी महोदय ने निर्देश दिए कि मतदाताओं की

सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी मतदान केंद्रों का मौके पर निरीक्षण किया जाए। 1200 से अधिक मतदाताओं वाले मतदान केंद्रों की समीक्षा करते हुए नई विकसित कॉलोनियों, मल्टी स्टोरी बिल्डिंग एवं ऐसे आवासीय परिसरों में नए मतदान केंद्र बनाने की संभावनाएं देखी जाएं, जहां मतदाताओं की संख्या अधिक है। इसके लिए उपयुक्त भवनों की पहचान कर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की जाए और उनके सुझाव लेकर प्रस्ताव तैयार किए जाएं। उन्होंने कहा कि सामान्यतः एक मतदान केंद्र पर अधिकतम 1200 मतदाताओं की व्यवस्था रखी जाए। मतदान केंद्र इस प्रकार बनाए जाएं कि लोगों को मतदान करने के लिए अधिक दूरी तय न करनी पड़े। किसी परिवार के सदस्यों को अनावश्यक रूप से अलग-अलग मतदान केंद्रों पर न भेजा जाए। मतदान केंद्र संबंधित विधानसभा क्षेत्र में ही बनाया जाए तथा जहां संभव हो, भूतल पर स्थित उपयुक्त भवनों का चयन किया

जाए। सामुदायिक भवनों एवं सामुदायिक केंद्रों में मतदान केंद्र बनाने तथा अस्थायी भवनों में चल रहे मतदान केंद्रों के लिए उपयुक्त स्थायी भवन तलाशने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में जिलाधिकारी महोदय ने बताया कि मतदान केंद्रों का मौके पर निरीक्षण करने, नए मतदान केंद्रों के लिए भवनों की पहचान करने तथा प्रस्ताव तैयार करने की कार्यवाही 16 से 18 अक्टूबर 2026 तक पूरी की जाएगी। 19 अक्टूबर 2026 को मतदान केंद्रों की प्रारंभिक सूची प्रकाशित कर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई जाएगी। वर्तमान सांसदों, विधायकों एवं मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उनके सुझावों एवं शिकायतों पर कार्रवाई के बाद 26 अक्टूबर 2026 तक सूची को अंतिम रूप दिया जाएगा। इसके बाद 27 अक्टूबर 2026 तक सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ नए मतदान केंद्रों के प्रस्ताव मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय को भेजने के लिए उपलब्ध कराए

जाएंगे।

बैठक में जिलाधिकारी महोदय ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण एवं नए मतदान केंद्र बनाने से संबंधित सभी कार्य निर्धारित समयबद्ध रूप से पूरे किए जाएं। सभी पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने, महिला एवं युवा मतदाताओं का पंजीकरण बढ़ाने तथा मतदान केंद्रों पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए संबंधित अधिकारियों एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से आपसी तालमेल के साथ कार्य करने की अपेक्षा की गई।

बैठक में अपर जिलाधिकारी (नगर)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी यमुनाधर चैहान, सहायक निर्वाचन अधिकारी नर सिंह, भाजपा के महेश शर्मा व लोकेश शास्त्री, सपा के समीर अब्बास, संतोष पाल व नरेन्द्र सिंह, आम आदमी पार्टी के सिद्धार्थ, कांग्रेस के अजहर वारसी सहित अन्य संबंधित अधिकारीयण एवं राजनैतिक दलों के प्रतिनिधिगण आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक संपन्न

विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति एवं समयबद्ध रूप से योजनाओं को पूर्ण करने के लिए निर्देश

टीएनएफ टुडे, आगरा।

जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से विभिन्न विभागों की विकासपरक एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक संपन्न हुई।

बैठक में डे-एनआरएलएम बैंक क्रेडिट लिंकेज की समीक्षा में डी श्रेणी मिलने पर जिलाधिकारी ने संबंधित से कड़ी नाराजगी व्यक्त की, जिसमें बताया गया कि तकनीकी त्रुटि से डेटा गलत है। जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी को मुख्यालय में संपर्क कर डेटा संशोधन कराए जाने के निर्देश दिए।

बैठक में जननी सुरक्षा योजना एवं फैमिली आईडी में सी श्रेणी प्राप्त होने पर जिलाधिकारी ने संबंधित से जवाब तलब किया। उन्होंने लाभार्थियों को भुगतान



सुनिश्चित कराने तथा लक्ष्य के सापेक्ष फैमिली आईडी निर्माण हेतु सभी पंचायत सचिवों को निर्माण निर्धारित कर तेजी लाने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की समीक्षा की गई, जिसमें बताया गया कि 670 के लक्ष्य के सापेक्ष 368 विवाह संपन्न हुए हैं तथा 26 अक्टूबर को बाह में 120 तथा 28 अक्टूबर को नगर निगम क्षेत्र में लगभग 170 सत्यापित जोड़ों का सामूहिक विवाह कार्यक्रम प्रस्तावित किया गया है। जिलाधिकारी ने प्राप्त लक्ष्य को शत-प्रतिशत पूर्ण कर नवीन मांग पत्र शासन को प्रेषित करने के कड़े निर्देश दिए। बैठक में लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत नवीन सड़कों की समीक्षा की गई। इसके साथ ही

पशुपालन विभाग, पंचायतीराज, बेसिक व माध्यमिक शिक्षा, एसएसएमई, आईसीडीएस आदि की समीक्षा कर संबंधितों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अमित कुमार, सीएमओ डॉ अरुण श्रीवास्तव, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी खगेंद्र सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी नागेंद्रपाल सिंह, डीसी एनआरएलएम प्रेमचंद, डीपीआरओ मनीष कुमार, डीडी पीआरडीए रेणु कुमारी, डीसी मनरेगा रामायण सिंह यादव, डीडीओ भावना यादव, डीपीओ मनोज मौर्या, डीपीओ आईसीडीएस मनोज कुमार मौग्या सहित अन्य समस्त संबंधित अधिकारीग

कराटे के दांव-पेच में आगरा-मथुरा का दम

क्षेत्रीय प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

टीएनएफ टुडे, आगरा।

सरस्वती विद्या मंदिर, कमला नगर, आगरा में आयोजित 38वीं क्षेत्रीय कराटे प्रतियोगिता, पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के दूसरे दिन 16 अक्टूबर 2026 को विभिन्न वर्गों के मुकाबले हुए। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी खेल प्रतिभा, अनुशासन और आत्मविश्वास का परिचय दिया। प्रतियोगिता के परिणामों में अंडर-17 वर्ग में आगरा के ऋत्विक् और देवांश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंडर-19 वर्ग में दाऊ दयाल विद्यालय के वैभव ने प्रथम स्थान हासिल किया। श्रीजी बाबा सरस्वती विद्या मंदिर के यश एवं तरुण चौधरी और सरस्वती विद्या मंदिर, कोसी के यशवंत ने अपने-अपने वर्गों में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का गौरव



बढ़ाया। प्रतियोगिता के दूसरे दिन के समापन अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री अमित चतुर्वेदी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि जो विद्यार्थी इस प्रतियोगिता में जीत हासिल नहीं कर पाए हैं, उनके लिए यह जीवन की अंतिम परीक्षा नहीं है। क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेना भी अपने आप में गर्व की बात है। ऐसे खिलाड़ी लाखों विद्यार्थियों के बीच अपनी प्रतिभा के बल पर यहां तक

पहुंचे हैं।

प्रतियोगिता के खेल सह-संयोजक श्री हुकुम सिंह, सरस्वती विद्या मंदिर, आगरा के शारीरिक आचार्य, प्रतियोगिता के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में मथुरा के श्री महेंद्र जी, खुर्जा के श्री मनोज जी, आगरा के श्री पद्मनाभ त्रिपाठी जी, कुर्सी के श्री प्रशांत जी, वृंदावन की श्रीमती भावना जी तथा गाजियाबाद के श्री अभिनव शर्मा जी खिलाड़ियों के

■ अंडर-17 में ऋत्विक् और देवांश ने मारी बाजी, प्रथम स्थान एर जताया कब्जा

■ अंडर-19 में पैगम सगेत कई खिलाड़ियों ने हासिल किया एहला स्थान

■ क्षेत्रीय कराटे प्रतियोगिता में जीतने वाले खिलाड़ी अखिल भारतीय स्तर पर दिखाएंगे दमखम

प्रदर्शन का मूल्यांकन कर रहे हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार श्री वरुण कौशिक जी अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। आयोजन मंडल में श्री ज्ञानेंद्र तिवारी एवं वरिष्ठ आचार्य श्री सुनील चौधरी ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रतियोगिता की व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित करने में

प्रतियोगिता संयोजक श्री मनोज यादव के नेतृत्व में आचार्य श्री शिवेंद्र प्रताप सिंह, श्री अमित गौड़, श्री धर्मेन्द्र कुमार, श्री सुबोध पौरवाल, श्री नीरज तिवारी, श्री सतीश यादव तथा श्री प्रवीण मिश्रा सहयोग प्रदान कर रहे हैं। सभी कार्यकर्ता खिलाड़ियों की सुविधा, प्रतियोगिता के सुव्यवस्थित संचालन तथा विभिन्न व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

प्रतियोगिता का आयोजन विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन, आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी आगामी अखिल भारतीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए चयनित किए जाएंगे।



कि युवा ही देश का भविष्य हैं और युवाओं की जिम्मेदारी है कि वे अराजकता का विरोध करें और लोकतंत्र को मजबूत करें।

इस अवसर पर प्रांत सह मंत्री पुनीत कुमार जी ने कहा - *अराजकता किसी भी समाज का विकास नहीं कर सकती। लोकतंत्र ही वह मार्ग है जो देश को आगे ले जाएगा। आज का युवा अराजकता को नकार कर लोकतंत्र को अपनाने के लिए संकल्पित है।

विश्वविद्यालय इकाई अध्यक्ष

शिवम कोली ने कहा - विश्वविद्यालय परिसर ज्ञान, संवाद

और लोकतांत्रिक मूल्यों का केंद्र है। हम यहां से यह संदेश दे रहे हैं कि छात्र शक्ति अराजकता के खिलाफ और लोकतंत्र के पक्ष में एकजुट है।

विश्वविद्यालय इकाई मंत्री रचित यादव जी ने कहा - *रहमारा यह प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक है। हमारा उद्देश्य यही है कि हर छात्र संविधान के प्रति जागरूक हो और अराजकता फैलाने वाली शक्तियों का लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करे। धरना प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण, अनुशासित और

सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अंत में सभी छात्रों ने लोकतंत्र की रक्षा और अराजकता को रोकने का सामूहिक संकल्प लिया।

इस अवसर पर विभाग संगठन मंत्री रजत जोशी,शिवांग खंडेलवाल, नितिन दुबे,अश्वनी इंदौलिया,रॉनित परमार, विवेक सिंह, ललित चौधरी,जीतू चौधरी, हर्षवर्धन, जितेन्द्र चौधरी,सागर कुशवाह, ध्रुव,आस्था, निशा,वैष्णवी, आरती, रिया शर्मा,आरत गुप्ता, अनिरुद्ध, निवय, धीरू यादव,विपुल आदि अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मजदूरी कर घर लौट रहे बाइक सवार में मारी टक्कर मौके पर मौत

फतेहाबाद। मजदूरी कर घर लौट रहे बाइक चालक में अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी इस दौरान बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई घर में कोहराम मचा हुआ है। चार बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया है।

शशि कपूर पुत्र वंशीलाल उम्र 32 वर्ष निवासी गेहनू राबर थाना डौकी रोजाना की तरह फतेहाबाद में बेलदारी का काम करने आया था। तभी शुक्रवार शाम काम कर बाइक से घर जा रहा था तो फतेहाबाद- आगरा मार्ग पर सिकरारा मोड़ के पास अज्ञात वाहन ने शशि कपूर की बाइक में टक्कर मार दी जिससे शशि कपूर गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर गया जानकारी पर पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी से घर में कोहराम मच गया मृतक के तीन पुत्री एक पुत्र है मेहनत मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करता है।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड़ड़ा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रेसेशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरु का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।
संपादक: धीरज शर्मा, फोन: 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइट: www.tnftoday.com
पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

डाडिया के नाम पर पसरती फूहड़ता, आस्था का बाजारीकरण और हमारी सांस्कृतिक विरासत पर प्रहार

पावन शारदीय नवरात्र के अवसर पर सर्वशक्तिमयी आद्यशक्ति माँ जगदम्बा की भक्ति और साधना के प्रतीक डाडिया तथा गरबा आयोजनों का जिस प्रकार आज धिनौना व्यावसायिक अवमूल्यन किया जा रहा है, उसने हमारी प्राचीन धार्मिक परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों के अस्तित्व पर एक बहुत बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। अत्यंत सात्विकता, उपवास और मंत्रोच्चार के साथ माँ दुर्गा की आराधना के ये पवित्र मंच आज केवल तेज डीजे संगीत, अश्लील गानों की पैरोडी, फूहड़ वेशभूषा और व्यावसायिक प्रायोजकों की आक्रामक ब्रांडिंग का मुख्य केंद्र बनकर रह गए हैं।

घटना के इस निराशाजनक पहलू पर गहराई से विचार करें तो यह स्पष्ट हो जाता है कि जिस गुजरात की लोक संस्कृति और गरबा का मूल आधार भक्ति, सात्विकता और आध्यात्मिक ऊर्जा था, उसे आज आधुनिकता और नैलैमर के नाम पर केवल देह प्रदर्शन तथा सस्ते मनोरंजन का साधन बना दिया गया है। धर्म और आस्था के इन पावन प्रांगणों में देर रात तक बजते डिस्को गानों, अमर्यादित आधुनिक व्यवहार और पाश्चात्य फूहड़ता के खुले प्रदर्शन ने हमारी युवा पीढ़ी को उसकी वास्तविक सांस्कृतिक जड़ों और नैतिक मर्यादाओं से दूर करने का काम किया है।

आयोजकों और कॉर्पोरेट प्रायोजकों द्वारा केवल भारी-भरकम प्रवेश पास बेचकर अंधाधुंध मुनाफ़ा कमाने की इस अंधी दौड़ में सनातन धर्म की मर्यादाओं, वैदिक अनुष्ठानों और पर्व की गरिमा की खुलेआम बलि चढ़ाई जा रही है। नवरात्र केवल गरबा खेलने या सजने-संवरने का कोई आधुनिक फैशन शो नहीं है बल्कि यह नौ दिनों तक शक्ति की साधना, आत्म-अनुशासन और सात्विक जीवन शैली को अपने भीतर उतारने का पावन संकल्प है। तथापि केवल व्यावसायिक आयोजकों और इवेंट कंपनियों को कोसने से काम नहीं चलने वाला है बल्कि प्रबुद्ध समाज, धार्मिक संस्थाओं और अभिभावकों को भी अपने बच्चों को सही मार्गदर्शन देते हुए ऐसे फूहड़ आयोजनों का कड़ा और संतुष्टि विरोध करना होगा।

आवश्यकता इस बात की है कि डाडिया और गरबा आयोजनों में सनातन संस्कृति की गरिमा, सात्विकता, पवित्रता और मर्यादा को पुनः स्थापित किया जाए ताकि हमारी भावी पीढ़ी अपने वास्तविक सांस्कृतिक गौरव और आस्था के पावन मूल्यों को अक्षुण्ण बनाए रख सके।

अनसुने प्रसंग– क्षेपक कथा

जब राजा रतिदेव ने भूखे अतिथि को अपना संपूर्ण भोजन और जल अर्पण कर दिया

भक्तमाल और पुराणों के पावन इतिहास में राजा रतिदेव की परम दयालुता और निष्काम सेवा भावना का यह प्रसंग मानव मात्र के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। राजा रतिदेव अत्यंत धर्मनिष्ठ और दयालु शासक थे जो अपनी प्रजा के सुख-दुख को ही अपना सर्वस्व मानते थे। उन्होंने अपना संपूर्ण राजपाट और अपार धन-संपदा दरिद्रों तथा जरूरतमंदों की सेवा में पूरी तरह दान कर दिया था। एक समय ऐसा आया जब राजा रतिदेव और उनका पूरा परिवार लगातार अड़तालीस दिनों तक बिना अन्न और जल के कठिन भुखमरी के दौर से गुजरा। उन्तालीसवें दिन राजा को अकस्मात थोड़ा सा जल और थोड़ा सा भोजन प्राप्त हुआ जिसे परिवार के सभी सदस्य ग्रहण करने वाले ही थे। उसी क्षण उनके द्वार पर एक भूखा ब्राह्मण अतिथि के रूप में आ पहुंचा जिसने अत्यंत आर्त स्वर में भोजन की याचना की। राजा रतिदेव ने बिना किसी संकोच के अपने हिस्से का आधा अन्न पूरी श्रद्धा के साथ उस ब्राह्मण को सादर समर्पित कर दिया। ब्राह्मण के जाने के बाद जैसे ही राजा शेष अन्न ग्रहण करने लगे तभी एक अन्न भूखा व्यक्ति आ गया और राजा ने उसे भी बचा हुआ अन्न दे दिया। अंत में जब राजा के पास केवल पीने के लिए थोड़ा सा जल बचा था तब एक चांडाल ने अत्यंत तृपित होकर पानी की गुहार लगाई। राजा रतिदेव ने बिना अपनी प्यास की चिंता किए वह पावन जल भी उस व्यक्ति को मुस्कुराते हुए अर्पित कर दिया। राजा के इस निष्काम त्याग और प्राणी मात्र के प्रति अगाध प्रेम को देखकर त्रिदेव साक्षात प्रकट हो गए। भगवान ने प्रसन्न होकर राजा रतिदेव को परम पद का वरदान दिया और उनकी कीर्ति को अमर कर दिया। यह पावन प्रसंग हमें यह गहरी सीख देता है कि दूसरों के दुखों को दूर करना और निष्काम भाव से सेवा करना ही ईश्वर की सबसे सच्ची और पावन भक्ति है।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!



शुभकार्य हेतु आज का वंदबल

आज मेष मिथुन सिंह तुला धनु और कुंभ राशि के जातकों का मानसिक मनोबल और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। रविवार का दिन प्रत्यक्ष देव भगवान सूर्य नारायण की आराधना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन सूर्य देव को तांबे के लोटे से जल अर्पित करने तथा आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करने से जीवन के सभी रोग दोष दूर होते हैं और समाज में अखंड मान-सम्मान की प्राप्ति होती है।

बुज खंडेलवाल

रातोंरात भगवान बनने वाले बाबाओं की कभी नहीं है। भविष्य बताने वाले ज्योतिषियों की दुकानें चमक रही हैं। कोई श्रहों की चाल से देश का भविष्य बताता है, कोई चमत्कार से किस्मत बदलने का दावा करता है। टीवी पर स्वयंभू बुद्धिजीवी ज्ञान बांटते हैं। संस्कृति के ठेकेदार तहजीब का सर्टिफिकेट जारी करते हैं। और इन सबके बीच कॉंकरोच भी खूब फल-फूल रहे हैं; गंदगी में पलते हैं, खरारा भांपते ही बिल में घुस जाते हैं और मौका मिलते ही फिर बाहर निकल आते हैं। सवाल सीधा है। जब पाखंड का बाजार गर्म हो, अंधविश्वास की दुकान सज जाए और दिखावे के सौदागर समाज पर छा जाए, तो सच की आवाज कौन उठाएगा? जवाब होना चाहिए, मीडिया। लेकिन अफसोस, कई बार मीडिया खुद इस तमारा का हिस्सा बन जाता है। खबर कम, नौटंकी ज्यादा। सवाल कम, शोर ज्यादा। जनता कभी तालियां बजाती है, कभी माथा पीटती है और कभी रिमोट उठाकर चैनल बदल देती है। कभी मीडिया को लोकतंत्र का चौथा खंभा कहा जाता था। उसका काम था सत्ता से सवाल पूछना, जनता की आवाज उठाना और हुक्मरानों को आईना दिखाना। आज कोई चैनलों को देखकर लगता है कि आईना तो मौजूद है, लेकिन उसमें सच्चाई दिखाने के बजाय सत्ता की आरती उतारी जा रही है। टीवी खेलकर देखिए। एंकर की आवाज आसमान छू रही है। स्टूडियो में बैठे प्रवक्ता एक-दूसरें पर ऐसे टूट पड़ते हैं मानो देश की सारी समस्याओं का हल विरोधी को चुप करने में छिपा हो। बेरोजगारी, महंगाई, शिशा, स्वास्थ्य और प्रदूषण जैसे मुद्दे कौने में खड़े अपनी बारी का इंतोजार करते रहते हैं। उनकी सुनता कौन है? राजनीतिक झगड़े में टीआरपी की मलाई जो मिलती है। जनता को चाहिए रोजगार, मगर टीवी पर मिलता है शोर। उदाहरण लें: जब दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का स्तर खतरनाक स्तर पर पहुंच जाता है और अस्पतालों में सांस के मरीज बढ़ जाते हैं, तो



कई चैनल घंटों राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप और ‘कौन जिम्मेदार’ के शोर में उलझे रहते हैं। उसी समय कोई बाबा ‘वायु शुद्धि यज्ञ’ या ‘ग्रह दोष निवारण’ का कार्यक्रम चला रहा होता है तो कैमरे तुरंत वहां पहुंच जाते हैं। वैज्ञानिक उपायों और जमीनी रिपोर्टिंग की जगह सनसनी और चमत्कार को प्राथमिकता मिल जाती है। पत्रकारिता का मिशन पीछे छूट रहा है और कारोबार आगे निकल रहा है। सवाल पूछने वाले पत्रकार की जगह कई बार ऐसे खेदरे दिखाई देते हैं जो सत्ता के प्रवक्ता होने का भ्रम पैदा करते हैं। मीडिया की आजादी का मतलब केवल अखबार छापना या टीवी चैनल चलाना नहीं है। असली आजादी है बिना डर के सच सामने रखना। लेकिन जब मीडिया का मालिकाना हक कुछ बड़े कारोबारी समूहों तक सिमटने लगे, तब चिंता स्वाभाविक है। बड़े कारोबारियों के अपने हित होते हैं, सत्ता से रिश्ते होते हैं और सरकारी विज्ञापनों का महत्व होता है। ऐसे में संपादक के सामने धर्मसंकट खड़ा हो सकता है। इसी माहौल में ‘गौदी मीडिया’ जैसे शब्द लोकप्रिय हुए हैं। यह राजनीतिक कटाक्ष है, लेकिन इसके पीछे निष्पक्षता को लेकर जनता का अविश्वास भी दिखाई देता है। सरकार की तारीफ करना गलत नहीं, उसकी आलोचना करना भी अपने आप में कोई काति नहीं। असली पत्रकारिता तथ्यों के आधार पर दोनों काम करती है। सरकार अच्छा करे तो तारीफ

मिले, गलती करे तो सवाल उठें। पत्रकारिता का धर्म किसी की अमरी उतारना नहीं, बल्कि जनता के सामने सच रखना है। जनसंचार के जानकार प्रोफेसर पारस नाथ चौधरी कहते हैं, “आज खबर की अहमियत कई बार इस बात से तय होती है कि वह कितनी सनसनी पैदा कर सकती है। किसी अभिनेता का बयान, किसी नेता की तकरार या किसी बाबा का चमत्कार घंटों चल सकता है। लेकिन सरकारी अस्पताल में दवाइयां नहीं हैं, स्कूल में शिक्षक नहीं हैं या गांव में पीने का पानी नहीं है, तो खबर के लिए जगह कम पड़ जाती है।”

समाज सेविका विद्या झा का कहना है, “बाबाओं, ज्योतिषियों और चमत्कार बेचने वालों के लिए कैमरे हमेशा तैयार रहते हैं। कोई भविष्य बताता है, कोई बीमारी दूर करने का दावा करता है और कोई भक्तों को स्वर्ग का टिकट बेचने का भरोसा देता है। मीडिया का काम इन दावों की जांच करना है, न कि बिना सवाल पूछे उनका प्रचार करना।” कुछ वर्ष पहले एक स्वयंभू बाबा ने दावा किया था कि वह कैन्सर जैसी गंभीर बीमारियों को हृदियय शक्तिह्न से ठीक कर सकते हैं। कई चैनलों ने बिना किसी वैज्ञानिक जांच के उनके कार्यक्रमों को घंटों प्रसारित किया। बाद में जब मरीजों की शिकायतें सामने आईं और अदालती प्रक्रिया शुरू हुई, तब मीडिया का रुख बदल गया। लेकिन तब तक हजारों लोग भ्रमित हो

चुके थे। चमत्कार का तमाशा बिकता है, इसलिए कैमरा वहीं टिक जाता है। वैज्ञानिक सोच की बात करने वाले पीछे रह जाते हैं। डिजिटल दौर में झूठ को सजाकर सच के रूप में बेचना आसान हो गया है। कभी पुराना वीडियो नई घटना बताकर दिखाया जाता है, कभी किसी तस्वीर के साथ मनगढ़ंत कहानी जोड़ दी जाती है। सोशल मीडिया की अफवाह जांच-पड़ताल के बिना ब्रेकिंग न्यूज बन जाती है। फैक्ट-चेक मंचों की जरूरत इसी कारण बढ़ी है। लेकिन जिम्मेदारी केवल दूसरों की खबरों की जांच करना नहीं है। हर मीडिया संस्थान को अपनी खबरों की सच्चाई भी सुनिश्चित करनी चाहिए। पैसे लेकर खबर दिखाने या छापने का कारोबार भी कम खतरनाक नहीं है। जब विज्ञापन और खबर के बीच का फर्क मिटने लगे, तो पाठक कैसे पढ़ाने कि वह पत्रकारिता पढ़ रहा है या किसी का प्रचार? कार्यकर्ता सच्येंद्र सिंह कहते हैं, “जनता को जानने का पूरा हक है कि उसके सामने रखी सामग्री खबर है या विज्ञापन। पत्रकारिता कोई किराना दुकान नहीं, जहां पैसे देकर मनचाहा सच तौल लिया जाए।” पत्रकारों पर मुकदमे, छापे और पूछताछ की खबरें भी बढ़ रही हैं। हर जांच को पत्रकारिता पर हमला कहना उचित नहीं। कानून सबके लिए बराबर होना चाहिए। लेकिन यदि कानून का इस्तेमाल आलोचनात्मक आवाजों को दबाने के लिए होने लगे, तो लोकतंत्र की सेहत बिगड़ती है। मीडिया में सामाजिक प्रतिनिधित्व का सवाल भी महत्वपूर्ण है। गांवों में पानी की किल्लत, किसानों की मुश्किलें, मजदूरों का पलायन और अस्पतालों की बदहाली भी बड़ी खबरें हैं। लेकिन इन मुद्दों पर रिपोर्टिंग करने में मेहनत लगती है। गांव जाना पड़ता है, लोगों से मिलना पड़ता है और आंकड़ों की जांच करनी पड़ती है। जबकि स्टूडियो में बैठकर किसी को देशद्रोही या राष्ट्रवादी घोषित करना बेहद आसान है। नदियां प्रदूषित हों, शहरों में पानी का संकट बढ़े या जलवायु परिवर्तन से खेती प्रभावित हो, तो

इन विषयों पर लगातार रिपोर्टिंग होनी चाहिए। मगर कई बार किसी गंभीर मुद्दे की उग्र अगले राजनीतिक विवाद तक ही रहती है। जनता का भरोसा मीडिया की सबसे बड़ी पूंजी है। आज भी कई पत्रकार जोखिम उठाकर सच सामने लाते हैं। छोटे डिजिटल मंच और स्वतंत्र प्रकाशन भी ऐसे मुद्दों को उठाते हैं जिन्हें बड़े संस्थान नजरअंदाज कर देते हैं। यह उम्मीद की किरण है। लेकिन कुछ ईमानदार पत्रकारों के भरोसे पुरे मीडिया की साख नहीं बच सकती। इसके लिए मालिकाना हक में पारदर्शिता, विज्ञापन और खबर के बीच साफ अंतर, गलतियों का सार्वजनिक सुधार और संपादकीय स्वतंत्रता जरूरी है। सनसनी की जगह तथ्य-जांच को महत्व देना होगा। सामाजिक विविधता बढ़ानी होगी। जनहित की खबरों को प्राथमिकता देनी होगी। मीडिया को समझना होगा कि जनता केवल मनोरंजन नहीं चाहती। उसे जानना है कि महंगाई क्यों बढ़ रही है, रोजगार कहाँ हैं, समस्याएँ योजनाओं का पैसा कहाँ खर्च हो रहा है और उसके बच्चों का भविष्य कितना सुरक्षित है। इन सवालों से मुंह मोड़कर कोई भी संस्थान लंबे समय तक जनता का भरोसा नहीं जीत सकता। मीडिया सत्ता का दरबारी है या जनता का पहरेदार? यही असली सवाल है। लोकतंत्र में पत्रकार का काम किसी सरकार को गिराना या किसी पार्टी को जिताना नहीं है। उसका धर्म सच तलाशना, सवाल पूछना और जनता तक सही जानकारी पहुंचाना है। सरकार किसी भी दल की हो, पत्रकारिता की कसौटी एक ही रहनी चाहिए। और कॉंकरोचों से भरे कमरे में केवल झाड़ू दिखाने से काम नहीं चलेगा। गंदगी साफ करनी होगी और रोशनी भी लानी होगी। याद रखिए, लोकतंत्र को खतरा केवल झूठ बोलने वालों से नहीं होता। खतरा उन लोगों में भी होता है जो सच जानते हैं, लेकिन खामोश रहते हैं। क्योंकि जब मीडिया सवाल पूछना छोड़ देता है, तो सत्ता जवाब देना भी जरूरी नहीं समझती। और जब जनता की आवाज बज जाती है, तब लोकतंत्र का चौथा खंभा खड़ा तो रहता है, मगर

खदान से नहीं, शुद्धता से तय होगी भारत की संप्रभुता

डॉ. दीपक गोस्वामी

भारत की अगली औद्योगिक लड़ाई धरती के ऊपर नहीं, धरती के भीतर छिपे उन छोटे-छोटे खनिजों के लिए है, जिनकी मात्रा कम है लेकिन जिनके बिना आधुनिक अर्थव्यवस्था की बड़ी-बड़ी मशीनें अधूरी हैं। लिथियम, कोबाल्ट, निकल, ग्रेफाइट, गैलियम, जर्मेनियम, टंग्स्टन और दुर्लभ मृदा तत्व—ये अब केवल भूवैज्ञानिक शब्द नहीं रहे। विद्युत वाहन, बैटरी, सौर ऊर्जा, अर्धचालक, दूरसंचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के आँकड़ा-केंद्र, अंतरिक्ष और आधुनिक रक्षा प्रणालियों की आपूर्ति-श्रृंखला में इनका महत्व लगातार बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के 2026 के आकलन के अनुसार महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति-श्रृंखलाओं में संकेदग्रण 2025 में भी बढ़ा और प्रमुख खनिजों के परिशोधन में शीर्ष देश की औसत हिस्सेदारी 72 प्रतिशत तक पहुँच गई। यहीं भारत के सामने सबसे बड़ा प्रश्न खड़ा होता है—क्या हमारे पास खनिज हैं, या खनिजों पर नियंत्रण है? दोनों एक बात नहीं हैं। भारत लिथियम, कोबाल्ट और निकल के लिए शत-प्रतिशत आयात पर निर्भर है। नीति आयोग के नवीन विश्लेषण में भी इन तीनों खनिजों के लिए 100 प्रतिशत आयात-निर्भरता दर्ज है। ग्रेफाइट की कुल आयात-निर्भरता 28 प्रतिशत बताई गई है; इसलिए पुराने 25 प्रतिशत वाले आँकड़े को वर्तमान स्थिति बताना उचित नहीं होगा। लेकिन ग्रेफाइट की कहानी इससे कहीं अधिक गंभीर है। भारत के पास प्राकृतिक ग्रेफाइट संसाधन हैं, फिर भी बैटरी-ग्रेड ग्रेफाइट के क्षेत्र में प्रसंस्करण क्षमता और चीन पर निर्भरता बड़ी चुनौती है। नीति आयोग ने पहले ही स्पष्ट किया था कि भारत में बैटरी-ग्रेड ग्रेफाइट की पर्याप्त धरेलू क्षमता नहीं थी और इसका आयात चीन से किया जाता था। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार 2024 में चीन दुनिया के ग्रेफाइट का लगभग 80 प्रतिशत खनन और 90 प्रतिशत से अधिक परिशोधन करता था। यही इस पूरी कहानी का सबसे महत्वपूर्ण सबक है—खनिज की खदान संप्रभुता नहीं देती; खनिज की मूल्य-श्रृंखला पर नियंत्रण संप्रभुता देता है। रियसिरी में 2023 में 5.9 मिलियन टन लिथियम अयस्क का अनुमानित संसाधन मिलने की घोषणा हुई थी। यहाँ एक तथ्यात्मक सावधानी अत्यंत आवश्यक है—यह 5.9 मिलियन

टन शुद्ध लिथियम का भंडार नहीं, बल्कि जीएसआई द्वारा जी-3 स्तर पर अनुमानित लिथियम अयस्क संसाधन था। सरकार ने स्वयं कहा था कि आगे के अन्वेषण के बाद ही इसके वास्तविक मूल्य और संसाधन की बेहतर तस्वीर सामने आएगी। इसलिए किसी खनिज की खोज को तुरंत खनन और फिर उत्पादन मान लेना वैज्ञानिक भूल होगी। खोज से संसाधन तक, संसाधन से भंडार तक, भंडार से खनन तक, खनन से परिशोधन तक और परिशोधन से उद्योग तक—हर चरण अलग चुनौती है। यही कारण है कि भारत के लिए असली युद्ध केवल नई खदानें खोलने का नहीं है। यह खनन से अधिक परिशोधन का युद्ध है। दुनिया इसका उदाहरण सामने रख चुकी है। 2024 में कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में दुनिया के लगभग दो-तिहाई कोबाल्ट का खनन हुआ, लेकिन उसके लगभग तीन-चौथाई परिशोधन की क्षमता चीन में थी। ग्रेफाइट में स्थिति और भी अधिक केन्दित थी। अर्थात खनिज अफ्रीका की धरती से निकला, लेकिन उसकी औद्योगिक शक्ति चीन के कारखाने में पैदा हुई। यही अंतर भारत को समझना होगा। चीन की शक्ति केवल इसलिए नहीं है कि उसके पास खनिज हैं। उसकी शक्ति इसलिए है कि उसने खनन के साथ-साथ परिशोधन, रासायनिक प्रसंस्करण, बैटरी सामग्री, चुंबक, घटक और अंतिम विनिर्माण की परतें एक-दूसरें से जोड़ दी हैं। 2026 की आईईए रिपोर्ट के अनुसार गैलियम, ग्रेफाइट, मैंगनीज और दुर्लभ मृदा तत्वों में चीन का शीर्ष परिशोधक के रूप में हिस्सा 90 प्रतिशत से अधिक है। और अब यह निर्भरता केवल आर्थिक विषय नहीं रह गई है। 2025 और 2026 में विभिन्न महत्वपूर्ण खनिजों पर निर्यात नियंत्रणों ने यह दिखा दिया कि अत्यधिक संकेद्विा आपूर्ति-श्रृंखला भू-राजनीतिक जोखिम में कितनी जल्दी बदल सकती है। आईईए के अनुसार 2023 के बाद चीनी निर्यात नियंत्रणों के दायरे में आने वाले खनिज शुल्क-कोडों की संख्या तीन गुना हुई। 2025 में चीन ने बैटरी-श्रृंखला से जुड़े ग्रेफाइट और अन्य सामग्रियों पर भी नियंत्रण कड़े किए। इसका अर्थ साफ है—जिस खनिज की आपूर्ति किसी एक देश के हाथ में केन्द्रित है, उसकी कीमत केवल बाजार तय नहीं करता; कभी-कभी भू-

राजनीति भी तय करती है। भारत ने इस चुनौती को पहचानना शुरू किया है। राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन को जनवरी 2025 में मंजूरी दी गई। इसका उद्देश्य केवल खनिज खोजने तक सीमित नहीं है। इसमें अन्वेषण, खनन, परिशोधन, प्रसंस्करण, विदेशों में खनिज संपत्तियों का अधिग्रहण और पुराने उत्पादों से खनिजों की पुनर्प्राप्ति—पूरी मूल्य-श्रृंखला को मजबूत करने की योजना है। विदेशी संपत्तियों के मोर्चे पर खानिज विदेश इंडिया लिमिटेड—काबिल—ने अर्जेंटीना के कैटामाकॉ प्रांत में पाँच लिथियम ब्राइन ब्लॉकों के लिए अन्वेषण और विकास समझौता किया है। क्षेत्रफल लगभग 15,703 हेक्टेयर बताया गया है। ऑस्ट्रेलिया में भी काबिल ने महत्वपूर्ण खनिज संपत्तियों की संयुक्त जाँच और संभावित निवेश के लिए समझौता किया है। इसलिए अब यह कहना तथ्यात्मक रूप से उचित नहीं होगा कि भारत केवल कागजों पर विदेशों में खदानें खोज रहा है। काम आगे बढ़ा है। लेकिन असली परीक्षा अभी बाकी है। विदेश में खनिज संपत्ति हासिल करना पहला कदम है; उसे सुरक्षित आपूर्ति, भारत में प्रसंस्करण और उच्च-मूल्य विनिर्माण में बदलना अंतिम कसौटी है। देश के भीतर भी महत्वपूर्ण खनिजों की नीलामी तेज हुई है। खान मंत्रालय के अनुसार पाँच दौरों में 55 महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिज ब्लॉक पेश किए गए और उनमें 34 सफलतापूर्वक नीलाम हुए। बाद में छठे दौर में 23 और ब्लॉक पेश किए गए। इसलिए समस्या अब केवल यह नहीं कि “भारत ने खदानें नहीं खोजीं।” समस्या इससे आगे की है—नीलामी के बाद उत्पादन कितनी जल्दी शुरू होगा? उत्पादन के बाद शुद्धता कितनी होगी? शुद्ध खनिज से उच्च-मूल्य पदार्थ कौन बनाएगा? और उस पदार्थ से वैश्विक स्तर का उत्पाद कौन बनाएगा? यही भारत को अपनी नीति की दिशा और तेज करनी होगी। राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन के तहत सरकार ने खनिज प्रसंस्करण पाकों के लिए 500 करोड़ रुपये तक के प्रावधान की बात कही है। इसका उद्देश्य केवल अयस्क निकालना नहीं, बल्कि देश के भीतर प्रसंस्करण क्षमता विकसित करना है।

क्योंकि अयस्क बेचकर देश कच्चा माल बेचता है। शुद्ध खनिज बेचकर देश औद्योगिक सामग्री बेचता है। और उसी खनिज से बैटरी, अर्धचालक, चुंबक, ऊर्जा भंडारण प्रणाली या रक्षा उपकरण बनाकर देश प्रौद्योगिकी बेचता है। यही असली मूल्य पैदा होता है। लेकिन भारत की सबसे बड़ी और अक्सर उपेक्षित खदान धरती के नीचे नहीं है। वह हमारे घरों, कार्यालयों, कारखानों और शहरों में पड़ी है। पुराने मोबाइल। पुरानी बैटरियाँ। पुराने लैपटॉप। विद्युत वाहनो की समाप्त बैटरियाँ। ई-कररा। इनमें मौजूद लिथियम, कोबाल्ट, निकल और अन्य महत्वपूर्ण पदार्थ एक बार आयात होकर देश में आ चुके हैं। उन्हें कचरे के साथ बाहर जाने देना दूसरी बार आयात पर निर्भर होने जैसा है। यही कारण है कि राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन के अंतर्गत सरकार ने महत्वपूर्ण खनिज पुनर्चक्रण के लिए 1,500 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना स्वीकृत की है। इस योजना का लक्ष्य ई-कचरे, प्रयुक्त लिथियम-आयन बैटरियों और अन्य कबाड़ से महत्वपूर्ण खनिजों की पुनर्प्राप्ति के लिए देश में क्षमता विकसित करना है। नवंबर 2025 में मंत्रालय ने इस योजना के तहत लाभगम तीन लाख टन वार्षिक पुनर्चक्रण क्षमता विकसित करने की परिकल्पना बताई थी। इसलिए भविष्य की खदान तीन जगह होगी—धरती के भीतर। शहरों के कचरे में। और भारतीय प्रयोगशालाओं में। धरती के भीतर से निकालना होगा। कचरे से वापस पाना होगा। और प्रयोगशाला में ऐसी तकनीक विकसित करनी होगी जो दुर्लभ खनिजों की आवश्यकता को कम करे, उनके विकल्प खोजे और उपलब्ध खनिज का अधिकतम उपयोग कर सके। ईईए के 2026 के आकलन में भी पुनर्चक्रण को आपूर्ति-सुरक्षा का महत्वपूर्ण माध्यम माना गया है। इसके अनुसार चीन के बाहर पुनर्चक्रण और प्रसंस्करण क्षमता का विस्तार आपूर्ति-श्रृंखला के विविधीकरण के लिए महत्वपूर्ण है।

दिनांक 16 अक्टूबर 2026 शुक्रवार

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance)

राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल की पहली सीढ़ी है।



कार्यकुशलता में अभूतपूर्व वृद्धि हो।

कर्क

आज भूमि भवन या वाहन के क्रय-विक्रय से जुड़ा कोई रुका हुआ मामला सुलझने से मन में उत्साह रहेगा। माता-पिता का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन प्रहसा जो आपके लिए बहुत लाभदायक रहेगा। गरीबों को भोजन कराएं जिससे आपके घर में सुख समृद्धि और शांति का वास हो।

सिंह

आज आपकी राशि के स्वामी सूर्य देव की कृपा से समाज और कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व तथा मान-सम्मान चरम पर होगा। आय के नए स्रोत बनने से आपकी आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत होगी। आदित्य हृदय स्तोत्र का नियमित पाठ करें

तुला

आज कला संस्कृति और सामाजिक कार्यों से जुड़े जातकों को बड़ी सफलता मिलेगी और जनसमर्थन प्राप्त होगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के साथ किसी मांगलिक कार्य में भाग लेंगे। किसी वृद्ध व्यक्ति की

धनु

आज भाग्य का पूरा साथ मिलने से आपके सभी अटके हुए प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ेंगे और मन प्रफुल्लित रहेगा। धार्मिक गतिविधियों और सेवा कार्यों में आपकी गहरी रुचि रहेगी जिससे आत्मिक शांति मिलेगी। जरूरतमंद विद्यार्थियों को पठन सामग्री दान करें जिससे आपके मार्ग प्रशस्त हो।

मकर

आज नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के बहुत ही सुंदर योग बन रहे हैं। पैतृक संपत्ति से जुड़ा कोई पुराना विवाद आपसी बातचीत से सुलझ सकता है। सूर्य देव को प्रणाम करके दिन की शुरुआत करें जिससे

आपके करियर की बाधाएं समाप्त होंगी।

कुंभ

आज आध्यात्मिक और सामाजिक कार्यों में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और किसी महत्वपूर्ण यात्रा का योग बनेगा। व्यावसायिक साझेदारों के साथ संबंध मजबूत होंगे जिससे व्यापार में बड़ा मुनाफा मिलेगा। गाय को गुड़ और रोटी खिलाएं जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत हो।

मीन

आज आर्थिक लेन-देन में पूरी सावधानी बरतें और किसी भी अनजान योजना में सोच-समझकर ही पैसा लगाएं। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा और जीवनसाथी का पूरा सहयोग आपके साथ बना रहेगा। सूर्य देव को अर्घ्य दें जिससे आपके सभी मानसिक तनाव और संकट दूर हों।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

रविवार के दिन घर की पूर्व दिशा को पूरी तरह स्वच्छ और प्रकाशमान रखकर वहाँ तांबे का सूर्य यंत्र स्थापित करने तथा मुख्य द्वार पर गंगालाल छिड़कने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा भगवान सूर्य देव की कृपा से घर में यश कीर्ति और अखंड आरोग्य का वास होता है।



माता कात्यायनी से मांगा रोग शोक दूर करने का आशीर्वाद

मंदिरों में उमड़ी रही भक्तों की भीड़, परिवार और समाज की सुख-शांति के लिए प्रार्थना की

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

शारदीय नवरात्र पर्व में भक्तों ने शुक्रवार को माता के छठे स्वरूप माता कात्यायनी को स्मरण कर पूजन किया। देवी मंदिरों पर भक्तों की भीड़ उमड़ी रही। भक्तों ने माता को प्रिय शहद का भोग लगाया। रोग, शोक, भय और संताप दूर करने का आशीष मांगा।

माता कात्यायनी के पूजन के लिए सुबह से भक्तों का मंदिरों पर पहुंचना शुरू हो गए। मंदिरों में पहुंचे और माता रानी का विधि विधान से पूजन किया। परिवार के सुख और शांति के लिए देवी मां से मनौतियां मांगीं। नगर के चामुंडा मंदिर, पथवारी मंदिर, शांतापुरी कालोनी के काली मंदिर, माल गौडम स्थित चौराहा मंदिर, बस स्टैंड स्थित मंदिर, सोरों गेट स्थित शीतला माता मंदिर सहित अन्य मंदिरों पर भक्तों की भीड़ लगी रही। कतारों में लगे भक्त माता रानी के जयकारे लगा रहे थे। घंटे और घड़ियालों के बीच



माता रानी की आरती उतारी गई। भक्तों ने हवन कुंड में आहुति दी।

अमांपुर में माता के जयकारों से गूँजे देवालय

अमांपुर। नवरात्र के छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा की गई। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। माता के जयकारों से पूरा मंदिर परिसर गूँज उठा। भक्तों ने विधि-

18 दिनों की लंबी जंग हारे अरौरा के मुस्कान: इलाज के दौरान मौत

पटियाली। थाना क्षेत्र के ग्राम अरौरा से एक बेहद हृदयविदारक और दुःख खबर सामने आई है। घरेलू कलह के चलते लगभग 18 दिन पूर्व जहरीले पदार्थ का सेवन करने वाले मुस्कान पुत्र चंद्रगुप्त बौद्ध की आखिरकार इलाज के दौरान मौत हो गई। करीब अठारह दिनों तक जिंदगी और मौत के बीच कड़ा संघर्ष करने के बाद उन्होंने दम तोड़ दिया। इस आकस्मिक निधन से न केवल उनके परिवार में, बल्कि पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक मुस्कान कुछ समय से पारिवारिक और मानसिक कलह से जूझ रहे थे। इसी तनाव के चलते करीब 18 दिन पहले उन्होंने कोई विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया था। घटना के तुरंत बाद परिजनों ने उन्हें गंभीर हालत में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था , जहां पर डॉक्टरों ने उन्हें अफिर उपचार उपचार कराने की सलाह दी थी ,डॉक्टरों की देखरेख में उनका घर पर रहकर लगातार इलाज चल रहा था। परिवार को उम्मीद थी कि वह स्वस्थ हो जायेंगे, लेकिन लगभग 18 दिनों तक चले लंबे और कठिन उपचार के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी।

विधान व वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच मां दुर्गा के छठे स्वरूप मां कात्यायनी की आराधना की। माता का रोलो से तिलक कर पुष्प, फल अर्पित किए।

नवरात्र व्रत कथा का पाठ किया। आरतो व दुर्गा चालीसा के पाठ के साथ ही पूजन किया। कई श्रद्धालुओं ने दुर्गा सप्तशती का पाठ भी किया गया।

धनुष टूटते ही जनकपुरी में छाई खुशियां

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

अमांपुर कस्बा के बारहद्वारी पर चल रही 11 दिवसीय संगीतमयी आदर्श श्रीरामलीला मंचन महोत्सव में गुरुवार रात तृतीय रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों ने भगवान राम, लक्ष्मण के स्वरूपों का पूजन कर आरती उतारी। आदर्श श्रीराम लीला महोत्सव में अहिल्या उद्धार, धनुष यज्ञ लीला, सीता स्वयंवर की लीला का मंचन किया गया। रामलीला का मंचन गणेश वंदना के साथ शुरू हुआ। सीता स्वयंवर के लिए राजा जनक ने धनुष यज्ञ का आयोजन किया। जिसमें रावण व श्रीराम, लक्ष्मण धनुष यज्ञ देखने गुरु विश्वामित्र के साथ जनकपुर पहुंचते हैं। जहां फुलवारी में राम को सीता देखती हैं फिर उनमे प्रभु के साथ विवाह करने की इच्छा जागृत होती है। जैसे ही प्रभु श्रीराम के द्वारा धनुष तोड़ते ही आकाश से देवताओं के द्वारा फूलों की वर्षा होने लगी। लोगों ने श्रीराम के जयकारे लगाए। इस दौरान श्रद्धालु दर्शक जयश्री राम का उद्धोधोष करते रहे।इससे पूरा पांडाल गुंजायमान रहा। गुरु विश्वामित्र राम व लक्ष्मण को लेकर जनकपुर के लिए निकलते हैं। रास्ते मे उन्हें एक



शिला दिखाई पड़ती है। तब वह शिला के बारे मुनि ने जानकारी हासिल करते हैं। तब उन्हें पता चलता है कि गौतम ऋषि की पत्नी है। जो शाप के कारण शिला बन गई। चरण से स्पर्श करने भगवान

राम अहिल्या का उद्धार करते है। इसके बाद जनकपुर पहुंचकर विश्राम करते हैं। सुबह राम व लक्ष्मण गुरु विश्वामित्र की पूजा करने के लिए पुष्प लेने फुलवारी में जाते हैं। यह वाटिका महाराज

जनक की दुलारी बेटी सीता की थी। सीता अपनी सखियों के साथ वहां पर आती हैं। एक सखी की नजर राम-लक्ष्मण पर पड़ती है। वह राम-लक्ष्मण के बारे में सीता जी को बताती है। इस दौरान फुलवारी में सीता जी ने भगवान श्रीराम को देखा तो वह मां पार्वती से राम को पति के रूप में की कामना करती है। इस मौके पर अध्यक्ष रुद्रप्रताप सिंह, लाला सोलंकी, विनीत मित्तल, बन्टी गुप्ता, नन्नू सराफ, आचार्य वीरी सिंह, आकाश गुप्ता सराफ, पुष्पेंद्र आरएसएस, शशीकांत, पप्पू माहेश्वरी, एडवोकेट शिवम सोलंकी, सोनू गुप्ता, भुल्लन यादव, वीरू ठाकुर, सौरव गुप्ता, बालवीर गुप्ता, आदित्य गुप्ता, नितिन माथुर, आयुष गुप्ता आदि मौजूद रहे।

नरी सैमरी माता के दरबार में जिला प्रशासन

मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रोक कुमार ने राज राजेश्वरी श्री देवी जी महारानी मन्दिर सैमरी तथा आस-पास के क्षेत्र का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने श्रद्धालुओं की सुविधाओं हेतु की गई विभिन्न व्यवस्थाओं यथा साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, स्वास्थ्य, सुरक्षा, पार्किंग, प्रकाश, यातायात आदि का जायज लिया। जिलाधिकारी ने मंदिर के आस-पास के क्षेत्र में उत्कृष्ट साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी दुकानों को व्यवस्थित करते तथा सभी दुकानदारों को कूड़ादान रखने हेतु निर्देशित किया जाए।



संगठन को मिलेगी नई धार: डॉ. खूब सिंह लोधी पुनः बने भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष, कार्यकर्ताओं में उत्साह

कासगंज। भारतीय जनता पार्टी के पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष पद पर डॉ. खूब सिंह लोधी की पुनः ताजपोशी होने पर शुक्रवार को भाजपा जिला कार्यालय में कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों का जोश देखते ही बना। शीर्ष नेतृत्व द्वारा दोबारा जिम्मेदारी सौंप जाने पर कार्यकर्ताओं ने उनका फूल-मालाएं पहनाकर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम के दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. बी.डी. राना ने कहा कि डॉ. खूब सिंह लोधी के पुनः जिलाध्यक्ष बनने से जिले में पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को धरातल पर नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी। उन्होंने विषयास जताया कि उनके अनुभवी नेतृत्व में पिछड़ा वर्ग मोर्चा की सक्रियता में इजाफा होगा और आम कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा, जिसका सीधा लाभ आगामी चुनावों में पार्टी को प्राप्त होगा। इस अवसर पर के.पी. सिंह, डॉ. योगेंद्र चौहान, डॉ. मनोज शर्मा, विजय लक्ष्मी कश्यप, संजय पुडीर, विकास अवस्थी और मोहित तेजधारी सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारियों ने खुशी जताते हुए उन्हें बधाई दी। नवनिर्वाह जिलाध्यक्ष डॉ. लोधी ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए संगठन के हित में पूरी निष्ठा और सक्रियता से कार्य करने का संकल्प लिया।

कासगंज पुलिस का बड़ा कमाल: मिशन शक्ति 6.0 के तहत बरामद किए 32 लाख के 120 खोए मोबाइल, स्वामियों के खिले चेहरे

कासगंज। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर कासगंज पुलिस ने आमजन को एक बड़ी राहत दी है। पुलिस अधीक्षक ओ.पी. सिंह के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक आलोक सिंह के पर्यवेक्षण में चलाए जा रहे 'मिशन शक्ति 6.0' अभियान के तहत जनपद की साइबर सेल टीम ने सराहनीय कार्रवाई करते हुए गुप्त हुए 120 एंड्राइड मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद किए गए इन मोबाइलों की कुल अनुमानित कीमत करीब 32 लाख रुपये काफ़ी गई है। अंतरराज्यीय स्तर पर की गई तलाश- साइबर सेल और जनपद के समस्त थानों पर कार्यरत साइबर हेल्प डेस्क की टीमों ने एक्स्पर्टोर्टल और क्टएकट्रैकिंग की मदद से तकनीकी सर्विलांस का बेहतरीन इस्तेमाल किया। टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद उत्तर प्रदेश के अलावा पड़ोसी राज्यों— मध्य प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा के विभिन्न जिलों से इन मोबाइलों को ढूँढ निकाला। स्वामियों के चेहरों पर लौटी मुकामन-शुक्रवार (16 अक्टूबर 2026) को पुलिस लाइन कार्यालय में वैधानिक सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करने के बाद सभी 120 मोबाइल फोन उनके वास्तविक स्वामियों के सुपुर्द किए गए। लंबे समय से खोए हुए महंगे फोन वापस पाकर नागरिकों के चेहरे खिल उठे। मोबाइल स्वामियों ने कासगंज पुलिस का आभार जताते हुए इस संवेदनशील और त्वरित कार्रवाई की जमकर सराहना की।

नवरात्र में शक्ति की मिसाल बनीं मथुरा की मंजू

पुरुषों के वर्तस्व वाली मशीन चलाकर रचा इतिहास

टीएनएफ टुडे, मथुरा।

नवरात्र में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना के बीच मथुरा की एक ऐसी महिला की उपलब्धि सामने आई है, जिन्होंने अपनी मेहनत, लगन और तकनीकी दक्षता से औद्योगिक क्षेत्र में नई मिसाल कायम की है। एक साधारण कोर ड्रेसर के रूप में अपने करियर की शुरुआत करने वाली मंजू शर्मा आज अत्यधुनिक कंप्यूटर नियंत्रित धातु ढलाई मशीन का कुशलतापूर्वक संचालन कर रही हैं। कंपनी के उपाध्यक्ष दलवीर बिष्ट के अनुसार, देश में करीब दो दर्जन स्थानों पर स्थापित इस मशीन का संचालन करने वाली मंजू शर्मा अकेली महिला हैं। उन्होंने बताया कि दुनिया भर में भी इस मशीन का संचालन आमतौर पर पुरुषों द्वारा किया जाता है। ऐसे में मंजू शर्मा की उपलब्धि मथुरा के लिए गौरव की बात है। एका लम्बिसिम प्राइवेट लिमिटेड के कोर बिभाग में कार्यरत मंजू शर्मा पिछले 15 वर्षों से कंपनी को अपनी सेवाएं दे रही हैं। इस दौरान उन्होंने अपनी मेहनत और हृदय इच्छाशक्ति के बल पर लगातार आगे बढ़ने का प्रयास किया। उन्होंने जीडीसी मशीन पर ढलाई मशीनक के रूप में काम करने का निर्णय लिया और सफलतापूर्वक इसका संचालन करते हुए तकनीकी दक्षता हासिल की। इसके बाद उन्होंने अपने कोशल को और निखारते हुए इटली की मशीन निर्माता कंपनी आईएमआर द्वारा निर्मित अत्याधुनिक, कंप्यूटर नियंत्रित निम्न दबाव धातु ढलाई मशीन का संचालन भी सीख लिया। यह मशीन आधुनिक तकनीक पर आधारित है। इसके संचालन के लिए तकनीकी ज्ञान, एकाग्रता, सावधानी और सुरक्षा मानकों का पालन करना आवश्यक है। मंजू शर्मा इन सभी जिम्मेदारियों को कुशलतापूर्वक निभाते हुए गुणवत्तापूर्ण उत्पादों के निर्माण में योगदान दे रही हैं। उनकी कार्यक्षमता, लगन और उत्कृष्ट प्रदर्शन की कंपनी के साथ-साथ मशीन निर्माता कंपनी आईएमआर ने भी सराहना की है।

पारिवारिक विवाद में समझौता वालों को मिला सम्मान

मथुरा। मिशन शक्ति अभियान फेज-6.0 के अंतर्गत पारिवारिक विवाद में पति-पत्नी के मध्य समझौता वाले परिवारीजन / पति- पत्नियों का सम्मान व सम्मान चिन्ह भेंट किये गये। शुक्रवार को महिला थाना मथुरा पर पारिवारिक विवाद से सम्बन्धित प्रकरण में पुलिस द्वारा प्रभावी पहल करते हुए पति-पत्नी के मध्य आपसी बातचीत, समझाइश एवं समन्वय के माध्यम से समझौता कराया गया। पारिवारिक विवादों के समाधान के लिए महिला थाना मथुरा पुलिस द्वारा दोनों पक्षों की बात को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा उन्हें आपसी समझ-बूझ, संवाद, विश्वास एवं पारिवारिक सौहार्द के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। पुलिस की समझाइश एवं सकारात्मक प्रयासों से पति-पत्नी आपसी सहमति से विवाद का समाधान करने के लिए तैयार हुए। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी नगर श्रीमती आशना चौधरी द्वारा समझौता करने वाले पति-पत्नियों को एक दूसरे से माला पहनवाकर तथा मिशन शक्ति सम्मान चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।



मंजू शर्मा की सफलता इस धारणा को चुनौती देती है कि जटिल औद्योगिक मशीनों का संचालन केवल पुरुष ही बेहतर तरीके से कर सकते हैं। उनका सफर बताता है कि अवसर, प्रशिक्षण, निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास के बल पर महिलाएं तकनीकी क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान बना सकती हैं। औद्योगिक क्षेत्र में काम करने और आगे बढ़ने का सपना देखने वाली महिलाओं के लिए उनकी उपलब्धि प्रेरणा का स्रोत है। कंपनी के उपाध्यक्ष दलवीर बिष्ट ने मंजू शर्मा के कार्य और प्रदर्शन पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी उपलब्धि महिलाओं की क्षमता, आत्मविश्वास और मेहनत को दर्शाती है। उन्होंने बताया कि देश में करीब दो दर्जन स्थानों पर स्थापित इस मशीन को मथुरा में एक महिला द्वारा संचालित किया जाना विशेष उपलब्धि है। नवरात्र के अवसर पर मंजू शर्मा की यह उपलब्धि शक्ति, साहस और आत्मनिर्भरता के संदेश को साकार करती है। उन्होंने अपने काम के माध्यम से साबित किया है कि महिला सशक्तिकरण केवल नारों तक सीमित नहीं, बल्कि मेहनत, हुनर और अवसर मिलने पर कार्यस्थल पर हासिल की गई उपलब्धियों में भी दिखाई देता है।



कासगंज पुलिस का बड़ा कमाल: मिशन शक्ति 6.0 के तहत बरामद किए 32 लाख के 120 खोए मोबाइल, स्वामियों के खिले चेहरे

टीएनएफ टुडे, कासगंज।



गुप्त हुए 120 एंड्राइड मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद किए गए इन मोबाइलों की कुल अनुमानित कीमत करीब 32 लाख रुपये आंकी



समस्त थानों पर कार्यरत साइबर हेल्प डेस्क की टीमों ने एक्स्पर्ट पोर्टल और क्टएकट्रैकिंग की मदद से तकनीकी सर्विलांस का

लेखपाल पर रिश्ततखोरी और अवैध वसूली के आरोप, भीम कर्मियों का तहसील में प्रदर्शन

एसडीएम हर्षिता देवड़ा को सौंपा ज्ञापन, फरौली गांव में भूमि की दोबारा जांच कराने की मांग; कार्रवाई न होने पर जिला मुख्यालय पर धरने की चेतावनी

सहावर। तहसील परिसर में भीम कर्मी संगठन और आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने लेखपाल रश्मि चौहान पर आय प्रमाणपत्र बनाने के नाम पर रिश्तत लेने का आरोप लगाते हुए धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद कार्यकर्ताओं ने उपजिलाधिकारी हर्षिता देवड़ा को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इसके साथ ही फरौली गांव में भूमि से जुड़े मामले की दोबारा जांच कराने की मांग भी उठाई। भीम कर्मी संगठन के जिलाध्यक्ष विशाल कुमार ने आरोप लगाया कि तहसील में कुछ लेखपालों की कार्यप्रणाली को लेकर लोगों में असंतोष है। उन्होंने कहा कि आय प्रमाणपत्र बनवाने के दौरान कथित



रूप से कम आय वाले लोगों की आय अधिक दर्ज किए जाने और अधिक आय वाले लोगों की आय रुपये लेकर कम दर्ज करने की शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। कार्यकर्ताओं ने प्रशासन से इन आरोपों की जांच करारक वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने की मांग की।

विशाल कुमार ने लेखपाल रश्मि चौहान के पति पर भी क्षेत्र के गरीब किसानों से कथित रूप से अवैध वसूली करने और उन्हें परेशान करने

जोर दिया। उनका कहना था कि मामले की निष्पक्ष जांच होने से भूमि की वास्तविक स्थिति सामने आएगी और संबंधित लोगों को न्याय मिल सकेगा।

प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर उचित कार्रवाई नहीं की गई तो वे जिलाधिकारी कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे। उन्होंने प्रशासन से सभी शिकायतों की निष्पक्ष जांच करारक नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की।

इस दौरान जिला संयोजक उमेश कुमार, चरण सिंह, रजत आर, साहिल कुमार, सुभाष गौतम, गौरव बाल्मीकि, विजेंद्र कुमार, वीरेंद्र सिंह, सलीम हुसैन, अमर सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

38वीं क्षेत्रीय कराटे प्रतियोगिता के दूसरे दिन आगरा और मथुरा के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

टीएनएफ टुडे, आगरा।

सरस्वती विद्या मंदिर, कमला नगर, आगरा में आयोजित 38वीं क्षेत्रीय कराटे प्रतियोगिता, पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के दूसरे दिन 16 अक्टूबर 2026 को विभिन्न वर्गों के मुकाबले हुए। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी खेल प्रतिभा, अनुशासन और आत्मविश्वास का परिचय दिया।

प्रतियोगिता के परिणामों में अंडर-17 वर्ग में आगरा के ऋत्विक् और देवांश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंडर-19 वर्ग में दाऊ दयाल विद्यालय के वैभव ने प्रथम स्थान हासिल किया। श्रीजी बाबा सरस्वती विद्या मंदिर के यश एवं



तरुण चौधरी और सरस्वती विद्या मंदिर, कोसी के यशवंत ने अपने-अपने वर्गों में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया।

प्रतियोगिता के दूसरे दिन के समापन अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री अमित चतुर्वेदी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि जो विद्यार्थी इस प्रतियोगिता में जीत हासिल नहीं कर

प्रतियोगिता के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में मथुरा के श्री महेंद्र जी, खुर्जा के श्री मनोज जी, आगरा के श्री पद्मनाभ त्रिपाठी जी, कुर्मी के श्री प्रशांत जी, वृंदावन की श्रीमती भावना जी तथा गाजियाबाद के श्री अभिनव शर्मा जी खिलाड़ियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन कर रहे हैं।

इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार श्री वरुण कौशिक जी अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। आयोजन मंडल में श्री ज्ञानेंद्र तिवारी एवं वरिष्ठ आचार्य श्री सुनील चौधरी ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रतियोगिता की व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित करने में प्रतियोगिता संयोजक श्री मनोज यादव के नेतृत्व में आचार्य श्री

शिवेंद्र प्रताप सिंह, श्री अमित गौड़, श्री धर्मेन्द्र कुमार, श्री सुबोध पोरवाल, श्री नीरज तिवारी, श्री सतीश यादव तथा श्री प्रवीण मिश्रा सहयोग प्रदान कर रहे हैं। सभी कार्यकर्ता खिलाड़ियों की सुविधा, प्रतियोगिता के सुव्यवस्थित संचालन तथा विभिन्न व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

प्रतियोगिता का आयोजन विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन, आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी आगामी अखिल भारतीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए चर्चनित किए जाएंगे।

राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता नहीं, स्टारलिक को मंजूरी देने से पहले सभी सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य हो

आगरा। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल, उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष, एवं राष्ट्रीय उप महासचिव भूपेंद्र सिंह सोबती ने कहा कि भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधित है और किसी भी विदेशी कंपनी को व्यावसायिक लाभ के लिए देश की सुरक्षा संबंधी चिंताओं की अनदेखी करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। एलन मस्क की कंपनी स्टारलिक को भारत में सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सेवा शुरू करने की अनुमति देने से पहले सरकार को सभी तकनीकी, कानूनी और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े पहलुओं की गंभीरता से जांच करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज इंटरनेट केवल संचार का माध्यम नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था, आंतरिक सुरक्षा और समासिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। ऐसे में यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि इंटरनेट ट्रैफिक का संचालन भारतीय कानूनों और सुरक्षा

मानकों के अनुरूप हो। डेटा की सुरक्षा, भारतीय गेटवे के माध्यम से ट्रैफिक का संचालन, सुरक्षा एजेंसियों के साथ आवश्यक सहयोग तथा आपातकालीन परिस्थितियों में प्रभावित क्षेत्रों में इंटरनेट सेवा को नियंत्रित करने की क्षमता जैसे विषयों पर सरकार को स्पष्ट आवश्यकता मिलना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि भारत में कानून-व्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील मामलों में सरकार तथा सुरक्षा एजेंसियों को समय पर आवश्यक कार्रवाई करने का अधिकार और तकनीकी क्षमता मिलनी चाहिए। यदि किसी सैटेलाइट इंटरनेट तकनीक की संरचना के कारण भारतीय नियमों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने में कठिनाई आती है, तो इन आशंकाओं का समाधान किए बिना व्यावसायिक अनुमति देना उचित नहीं होगा। किसी भी कंपनी को व्यावसायिक हित देश

की संप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा से ऊपर नहीं हो सकते। प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री अजय अग्रवाल ने कहा कि भारत ने दूरसंचार और डिजिटल क्रांति के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। आज देश में सस्ती इंटरनेट सेवाओं के विस्तार के साथ स्वदेशी तकनीक, भारतीय वैज्ञानिकों और स्टार्टअप की भूमिका भी लगातार बढ़ रही है। सरकार को इसी दिशा में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान, संचार उपग्रहों और स्वदेशी सैटेलाइट इंटरनेट तकनीक के विकास को प्रोत्साहित करना चाहिए, ताकि ग्रामीण, पहाड़ी, सीमावर्ती और दूरदराज के क्षेत्रों तक किराफायती एवं सुरक्षित इंटरनेट सेवा पहुंचाई जा सके। उन्होंने आगे कहा कि भारत किसी भी आधुनिक तकनीक या विदेशी निवेश के विरुद्ध नहीं है। हमारा स्पष्ट मत है कि विदेशी कंपनियों का स्वागत देश के कानूनों, नियमों और सुरक्षा मानकों के पूर्ण पालन के साथ होना चाहिए। जिस प्रकार भारत में कार्यरत

अन्य दूरसंचार कंपनियों को निर्धारित नियमों का पालन करना पड़ता है, उसी प्रकार स्टारलिक सहित प्रत्येक कंपनी के लिए भी समान और पारदर्शी नियम लागू होने चाहिए। प्रदेश संगठन मंत्री जितेंद्र कुतुंबी ने केेंद्र सरकार से मांग की कि स्टारलिक को व्यावसायिक सैटेलाइट इंटरनेट सेवा शुरू करने की अनुमति देने से पहले राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी सभी चिंताओं का संतोषजनक समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि भारत को तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बनाने, स्वदेशी उद्योगों को बढ़ावा देने और देश की सुरक्षा को मजबूत करने वाली नीतियों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उन्होंने विषयास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत स्वदेशी तकनीक और अंतरिक्ष क्षेत्र में अपनी क्षमताओं को और मजबूत करेगा तथा देशहित को सर्वोपरि रखते हुए ऐसे निर्णय लेगा, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित, सशक्त और आत्मनिर्भर भारत की नींव को मजबूत करें।



अन्य विषयों से हटकर है आर्ट्स एंड क्राफ्ट का अध्यापन

आज भले ही हमारे आसपास हजारों जॉब ऑफ़शंस उपलब्ध हों मगर जिन लोगों का मन शिक्षण में लगता है, उनके लिए आज भी यह बाकी सारे प्रोफ़ेशंस से ऊपर है। यूं तो हर विषय का अध्यापन अपनी खास विशेषताएं लिए हुए होता है मगर आर्ट्स एंड क्राफ्ट का अध्यापन अन्य विषयों से हटकर है। आज, जबकि बच्चों के विकास पर जोर दिया जा रहा है, ऐसे में स्कूली स्तर पर आर्ट्स एंड क्राफ्ट टीचर की मांग बढ़ रही है। अगर आप भी आर्ट्स एंड क्राफ्ट टीचर बनने की चाह रखते हैं, तो इसके लिए आपको कुछ खास डिग्री/ डिप्लोमा/ सर्टिफिकेट हासिल करना होगा। ध्यान रहे, आर्ट्स एंड क्राफ्ट के तहत बहुत-से फ़ील्ड्स आते हैं, जैसे ड्राइंग, पेंटिंग, थिएटर, हैडिक्राफ्ट्स, फोटोग्राफी, पेपर आर्ट, पॉटर्री, क्ले मॉडलिंग आदि। हर कला एक हुनर है और इसे सिखाना, इससे भी बड़ा हुनर।

जरूरी क्वालिफिकेशन

यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त किसी सरकारी/प्रायवेट कॉलेज से आर्ट का नियमित ग्रेजुएट डिग्री कोर्स। किसी प्रतिष्ठित कॉलेज या ट्रेनिंग सेंटर/ इंस्टीट्यूट से 1 या 2 वर्ष का आर्ट का डिप्लोमा कोर्स। किसी सरकारी कॉलेज से 6 माह का आर्ट एप्रिसिएशन सर्टिफिकेशन कोर्स। इन सभी कोर्सेज में थ्योरी और प्रैक्टिकल दोनों महत्वपूर्ण होते हैं। ये कोर्स करने से आप कला के तकनीकी पक्ष को अच्छी तरह समझने लगते हैं। साथ ही आपको क्लासरूम मैनेजमेंट, टीचिंग इक्विपमेंट आदि के बारे में भी सीखने को मिलता है। अपने ज्ञान को विस्तार देने के लिए आप कहीं शॉर्ट-टर्म इंटरनशिप भी कर सकते हैं। ऐसा करने से नियमित जॉब करने से पहले आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

कौन होता है अच्छा आर्ट्स एंड क्राफ्ट टीचर

एक अच्छा आर्ट्स एंड क्राफ्ट टीचर बनने के लिए केवल अकादमिक क्वालिफिकेशन ही पर्याप्त नहीं है। इसके लिए आपमें कुछ और गुण होना भी बेहद जरूरी है, जैसे:

- आपमें कला और उसके अध्यापन को लेकर पैशन हो।
- आप विद्यार्थियों के साथ सहज तालमेल बिठा लेते हों और आपमें उन्हें प्रेरित करने की क्षमता हो।
- आप अथाह धैर्य के स्वामी हों। कला और शिक्षण दोनों ही धैर्य मांगते हैं।
- आप हर वक्त कुछ नया सोचने की क्षमता रखते हों।
- आप सिखाने के साथ-साथ खुद नया सीखते रहने को भी तत्पर हों।
- विभिन्न शिक्षण तकनीकों पर आपकी मजबूत पकड़ हो।

कंपनी के ब्रांड नेम के बजाय अपनी प्रतिभा पर विश्वास कर रहे हैं प्रोफेशनल्स

आजकल अनेक प्रोफेशनल्स किसी कंपनी के एम्प्लॉयी के तौर पर कई-कई घंटे और वह भी असुविधाजनक समय पर, काम करने के बजाय फ्रीलांसर के तौर पर काम करना पसंद कर रहे हैं। अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए वे किसी कंपनी के ब्रांड नेम पर निर्भर रहने के बजाय अपनी प्रतिभा पर विश्वास कर रहे हैं।

यह बात खास तौर पर क्रिएटिव फ़ील्ड से जुड़े लोगों पर लागू होती है, जैसे फोटोग्राफर, राइटर, कॉपी एडिटर, पेंटर, फैशन डिजाइनर, ग्राफिक डिजाइनर, कार्टूनिस्ट आदि। फ्रीलांसर के तौर पर आप ऐसे कई बंधनों से मुक्त हो जाते हैं, जो किसी कंपनी के रेगुलर एम्प्लॉयी के तौर पर आपको मानने पड़ते हैं।

काम के घंटे

फ्रीलांसर को 9 से 5 बजे तक ऑफिस में बैठकर काम नहीं करना होता। अगर आप सुबह देर से उठते हैं और रात देर तक काम करना चाहते हैं, तो फ्रीलांसर के तौर पर आप ऐसा कर सकते हैं। फ्रीलांसिंग में सबसे बड़ा फायदा यह है कि आप अपनी सुविधा से अपना काम का समय चुन सकते हैं।

ऑफिस पॉलिटिक्स

हर ऑफिस में खेमेबाजी, राजनीति आदि होती ही है। कोई आपके काम का श्रेय लेने की फिराक में रहता है, कोई पीट पीछे आपकी बुराई करता है। कई लोग ऐसे माहौल में असहज हो जाते हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ काम नहीं कर पाते। अगर आप ऐसे लोगों में से हैं, जिन्हें इस तरह का माहौल कतई बर्दाश्त नहीं, तो फ्रीलांसिंग आपके लिए बेहतर ऑप्शन हो सकता है। यहां बस आप हैं और आपका काम है।



सैलरी

आपको मैनेजमेंट के साथ अपने वेतन और वेतनवृद्धि को लेकर मोलभाव नहीं करना होता। एक बार आपने खुद को फ्रीलांसर के तौर पर स्थापित कर लिया, तो आप जो उचित समझें, उतना पैसा डिमांड कर सकते हैं। अगर आपका नाम हो गया, तो क्लाइंट्स आपकी डिमांड के अनुसार पैसा देने को तैयार रहेंगे।

बॉस

नौकरी करते हुए केवल अच्छा काम करना ही पर्याप्त नहीं होता, आपको अपने बॉस को भी खुश रखना होता है। तभी आपके काम को पहचान (और आपको तरक्की) मिलती है। मगर फ्रीलांसर के सामने ऐसी कोई मजबूरी नहीं होती। अगर आप अपने काम से अपने क्लाइंट्स को संतुष्ट कर दें, तो आपको मार्केट में पहचान मिल जाएगी। फिर वह क्लाइंट तो दोबारा आपके पास आएगा ही, दूसरे क्लाइंट्स भी आपका नाम सुनकर आपसे संपर्क करेंगे। यदि अधिक ऑफर्स हों, तो आप अपनी पसंद से क्लाइंट्स चुन सकते हैं।

ऐसे लोगों के लिए काम करना जरूरी नहीं होता, जिन्हें आप पसंद नहीं करते।

ऑफिस एटिकेट

ऑफिस में आपसे अपेक्षा की जाती है कि आप एक खास तरह से खुद को प्रस्तुत करें। आपको अपने कपड़ों, अपनी बोलचाल, बॉडी लैंग्वेज आदि का लगातार ध्यान रखना होता है। जब आप फ्रीलांसर के तौर पर

घर से ही काम करते हैं, तो आप चाहें जैसे कपड़े पहन सकते हैं, बीच में किसी से बिदास गपशप भी कर सकते हैं। कुर्सी पर पैर चढ़ाकर काम करना चाहते हैं, तो इसके लिए भी यहां कोई आपको नहीं टोकेगा।



चुनौतियां भी कम नहीं

ऐसा नहीं है कि फ्रीलांसिंग में मजा ही मजा है। इसमें आपको मेहनत तो करनी ही होती है, साथ ही इसमें खतरा भी है। यहां आपको हर महीने तयशुदा दिन तयशुदा सैलरी नहीं मिलती। जब जितना काम किया, उस हिसाब से पैसे मिलेंगे। अपनी मार्केटिंग आपको खुद करनी होती है। नेटवर्किंग, पीआर, क्लाइंट मैनेजमेंट आदि अच्छा होने पर ही फ्रीलांसर के रूप में आप सफल रह सकते हैं। यह काम अपना बिजनेस चलाने की तरह ही है। अच्छा-बुरा जो भी हो, उसके लिए आप ही जिम्मेदार होते हैं। बेहतर यही होगा कि जॉब छोड़ने से पहले आप फ्रीलांसिंग की दुनिया की जांच-परख कर लें। यहां सबसे बड़ी चुनौती मार्केट में खुद को स्थापित करना होता है। स्थापित होने में, क्लाइंट्स को आकर्षित करने में समय भी लगता ही है। अगर आप जॉब छोड़कर फ्रीलांसिंग करने की सोच रहे हैं, तो समझदारी इसी में है कि आप एकाध साल गुजारा करने जितना पैसा अलग से सुरक्षित रखें। वैसे बेहतर यही होगा कि आप जॉब में रहते हुए फ्रीलांसिंग शुरू कर दें और यह काम जम जाने के बाद ही जॉब छोड़ें।

आसान नहीं, चुनौतीपूर्ण है टेलिफोनिक इंटरव्यू



आजकल अक्सर कंपनियां नौकरियों के लिए उम्मीदवारों को शॉर्ट-लिस्ट करने, इंटरव्यू का खर्च कम करने या फिर दूसरे शहरों के उम्मीदवारों की स्क्रीनिंग के लिए टेलिफोनिक इंटरव्यू लेती हैं। जो भी हो, आखिरकार यह है तो जॉब इंटरव्यू ही और अगर आप ऐसा इंटरव्यू दे रहे हैं, तो आपके लिए यह अधिक चुनौतीपूर्ण है क्योंकि आपको केवल अपनी आवाज से ही इंटरव्यूअर को प्रभावित करना है।

आपको यह भी लग सकता है कि टेलिफोनिक इंटरव्यू देना तो आसान है क्योंकि यहां आपको इंटरव्यू बोर्ड को अपने कपड़ों, बॉडी लैंग्वेज आदि से इम्प्रेस नहीं करना लेकिन यह बात पूरी तरह सच नहीं है। चूंकि इंटरव्यूअर आपको देख नहीं सकता, सो वह आपके प्रत्येक जवाब का अधिक बारीकी से अध्ययन करेगा। ऐसे में हर सवाल का जवाब बिल्कुल सटीक होना जरूरी हो जाएगा। बेहतर यही होगा

कि आप अपने टेलिफोनिक इंटरव्यू की अच्छी-खासी तैयारी कर लें। आम तौर पर उम्मीदवार को पहले से ही इंटरव्यू कॉल के दिन और समय के बारे में सूचित कर दिया जाता है। उस हिसाब से नियत दिन और समय पर तैयार रहें। अगर आपको अचानक ऐसे समय कॉल आ जाता है, जब आप किसी शोर-गुल वाली जगह पर या फिर बाथरूम में हैं, तो क्षमा मांगते हुए उनसे कहिए कि कृपया थोड़ी देर बाद कॉल करें। मगर ध्यान रखें, हो सकता है कि आपको त्वरित तौर पर इंटरव्यू देना ही पड़े, सो इसके लिए तैयार रहें।

इंटरव्यू से पहले

फोन इंटरव्यू कई लोगों के लिए डरावने भी हो सकते हैं क्योंकि आप सामने वाले को देख नहीं पाते और इंटरव्यूअर आपकी आवाज के टोन से आपके बारे में राय बनाएगा। कुछ तैयारी करके आप इस इंटरव्यू को आसान बना सकते हैं:

- अपना रेज्यूमे अपने सामने ही रखें।
- कामज और पेन तैयार रखें, ताकि कुछ नोट करने का काम पड़े तो यहां-वहां दूढ़ना न पड़े।
- कंपनी के बारे में पहले से जानकारी एकत्र करके रखें। इंटरव्यू के दौरान यह जानकारी आपकी पहुंच के भीतर होना चाहिए।

- अपनी उपलब्धियों की सूची उदाहरण सहित तैयार रखें। टेलिफोनिक इंटरव्यू का यह एक बड़ा फायदा है कि आप लिखी हुई सूची में से पढ़कर सुना सकते हैं।
- यह सुनिश्चित कर लें कि इंटरव्यू के दौरान आपके आसपास कोई शोर-गुल या किसी तरह का व्यवधान न हो। बच्चे, मित्र या पालतू आकर आपको डिस्टर्ब न करें। रेडियो-टीवी बंद हो। आसपास कोई दूसरा फोन भी न हो, जो अचानक इंटरव्यू के बीच बज उठे।
- अपने फोन में कॉल वॉटिंग को स्विच ऑफ कर लें, ताकि इंटरव्यू कॉल के दौरान व्यवधान न हो।
- अगर इंटरव्यू मोबाइल फोन पर दे रहे हैं, तो फोन को पहले ही पूरी तरह चार्ज कर लेना न भूलें।
- फोन पर इंटरव्यू देने की प्रैक्टिस करें और अपनी आवाज को रेकॉर्ड करके सुनें। उसमें जो भी कमी लगे, उसे सुधारने का प्रयास करें।
- माना कि इंटरव्यूअर आपको देख नहीं सकता लेकिन अगर आप इंटरव्यू के दौरान थोड़े फॉर्मल कपड़े पहनेंगे, तो इसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ेगा और आप प्रोफेशनलिज्म से इंटरव्यू दे पाएंगे।
- पानी का ग्लास जरूर अपने पास रखें।

